2020 से 2022

Web Portal
www.ghatatighatana.com

G.G. News

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

घटती घटना

अम्बिकापुर , वर्ष 18,अंक -324 गुरूवार ,29 सितम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

अनंत होना और
आगे बढ़ना हर
किसी का लक्ष्य है।
- अथर्ववेद-

संक्षिप्त समाचार

पीएफआई पर प्रतिबंध आंतरिक सर्जिकल स्ट्राइक : गृह मंत्री

भोपाल, 28 सितम्बर 2022। मध्यप्रदेश के गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने केंद्र सरकार द्वारा पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर प्रतिबंध के कदम का स्वागत करते हुए आज कहा कि ये एक तरह से आंतरिक सर्जिकल स्ट्राइक है। डॉ मिश्रा ने संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कहा कि मध्यप्रदेश में अब तक पीएफआई से जुड़े 25 लोग हिरासत में लिए गए हैं। इनसे पूछताछ के बाद जैसे-जैसे सबूत मिलते जाएंगे, वैसे-वैसे सारी स्लीपर सेल पकड़ में आती जाएंगी।

उन्होंने कहा कि पीएफआई पर प्रतिबंध आंतरिक सर्जिकल स्ट्राइक के समान है। इससे इस संगठन के पूरे तंत्र नेस्तनाबूद होंगे। भाजपा की सरकार तुष्टिकरण में यकीन नहीं करती। केंद्र सरकार का ये कदम स्वागतयोग्य है। गृह मंत्री ने कहा कि जिस संगठन के देश में विभिन्न स्थानों पर हत्याओं में शामिल होने के सबूत मिले हैं, ऐसे संगठन पर प्रतिबंध स्वागतयोग्य कदम है।

इसी बीच मध्यप्रदेश में भी इस संगठन पर लगातार कार्रवाई का सिलसिला जारी है। उज्जैन में पीएफआई कार्यालय को सील किए जाने की भी सूचना है।

शहीद भगत सिंह की जयंती पर आज पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 28 सितम्बर 2022। देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले शहीद भगत सिंह की जयंती पर उनको श्रद्धांजलि देने के लिए देश भर में आज विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि शहीद भगत सिंह की जयंती पर मैं उन्हें नमन करता हूं। उनका साहस हमें बहुत प्रेरित करता है। देश के लिए उनके दृष्टिकोण को हम साकार करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं।

बता दें कि भगत सिंह का जन्म अविभाजित पंजाब के लायलपुर जो अब पाकिस्तान में है 28 सितंबर 1907 को हुआ था।

वह बहुत छोटी उम्र से ही आजादी की लड़ाई में शामिल हो गए थे और उनकी लोकप्रियता से भयभीत ब्रिटिश सरकार ने उन्हें फांसी की सजा दी थी।

लाखों कर्मचारियों समेत 62 लाख पेंशनर्स के लिए सरकार ने 4% बढ़ाया डीए! गरीबों को और 3 महीने मिलेगा मुफ्त अनाज

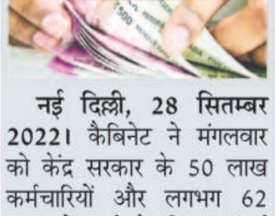

नई दिल्ली, 28 सितम्बर 2022। कैबिनेट ने मंगलवार को केंद्र सरकार के 50 लाख कर्मचारियों और लगभग 62 लाख पेंशनर्स के लिए महंगाई भत्ते यानी DA में 4 फीसदी की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। मिली जानकारी के मुताबिक 4 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ अब डीए बढ़कर 38 फीसदी हो जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, सरकार की तरफ से गरीबों के लिए मुफ्त अनाज की योजना यानी गरीब कल्याण योजना तीन महीने के लिए बढ़ाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिलने का अनुमान है।

दिलचस्प हुई कांग्रेस अध्यक्ष पद की रेस

नई दिल्ली, 28 सितम्बर 2022। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने पार्टी अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने का फैसला किया है, जिसके लिए 17 अक्टूबर को चुनाव होना है। उनके बुधवार रात तक दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। सिंह के करीबी सूत्रों ने बुधवार को कहा कि चुनाव लड़ने का फैसला उनका निजी है, गांधी परिवार से किसी ने भी उन्हें ऐसा करने के लिए नहीं कहा है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री 30 सितंबर तक नामांकन दाखिल कर सकते हैं। कांग्रेस सबसे पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पार्टी के शीर्ष पद के लिए मैदान में उतारने की सोच रही थी, लेकिन राजस्थान में हाई-वोल्टेज ड्रामे ने गांधी परिवार को नाराज कर दिया।

इस मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा, गहलोत को अभी दौड़ से बाहर नहीं किया गया है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस कोषाध्यक्ष पवन कुमार बंसल ने पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण (सीईए) से नामांकन फॉर्म लिया है। अपनी ओर से बंसल ने कहा कि वह केवल एक प्रस्तावक हैं, उम्मीदवार नहीं। सीईए के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री ने मंगलवार को कहा था, अब तक शशि थरूर और पवन बंसल ने सीईए से नामांकन फॉर्म लिया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ जिनका नाम भी सामने आया था और उन्होंने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की थी, उन्होंने कहा कि, वह पार्टी प्रमुख नहीं बनना चाहते हैं, और मध्य प्रदेश में पार्टी के लिए काम करना जारी रखना चाहते हैं।

राजस्थान में ड्रामे ने कांग्रेस नेतृत्व को पार्टी के शीर्ष पद के लिए %प्लान बी% के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया है। इससे पहले गहलोत को एक दावेदार के रूप में देखा जा रहा था। उनके प्रति वफादार उनके विधायकों द्वारा खुली अवहेलना ने कांग्रेस हाईकमान को नाराज कर दिया और ऐसा लगता है इस रेस से भी गहलोत को बाहर कर दिया है।

मप्र नहीं छोड़ूंगा - कमल नाथ

भले ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर चल रही कयासबाजी में मध्य प्रदेश इकाई के प्रदेशाध्यक्ष कमल नाथ का नाम लिया जा रहा हो मगर उन्होंने साफ कर दिया है कि वे मध्य प्रदेश नहीं छोड़ेंगे।

कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमल नाथ से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, मैं पहले भी कह चुका हूं कि मैं मध्यप्रदेश नहीं छोड़ना चाहता हूं , 12 माह बचे हैं और यदि मैं कोई जिम्मेदारी लेता हूं तो मेरा ध्यान मध्य प्रदेश से हटेगा। अभी मेरा पूरा फोकस सिर्फ मध्यप्रदेश पर है, मैं अपना ध्यान मध्यप्रदेश से हटाना नहीं चाहता।

राजस्थान में मचे सियासी घमासान पर उन्होंने बताया कि, मेरी खुद अशोक गहलोत जी से बात हुई है, उन्होंने कहा कि मैंने तो बैठक बुलाई थी। कुछ लोगों ने अनुशासनहीनता की है तो उनको शोकाज नोटिस जारी हो गए हैं। वहीं पर्यवेक्षकों ने अपनी रिपोर्ट दे दी है।

केंद्र सरकार की पीएफआई को लेकर की गई कार्रवाई के सवाल पर कमल नाथ ने कहा, यदि कोई सबूत है कि वह आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त है, आतंकवादी संस्थाओं से जुड़े हैं, तब पीएफआई हो या कोई भी संगठन हो, उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होना चाहिए।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कमल नाथ ने कहा, आज आतंकवाद बड़े खतरे की बात है और आम जनता को तो सुरक्षा चाहिए और यदि इतने वर्षों से पीएफआई की गतिविधियां चल रही थीं तो यह आपका इंटेलिजेंस फेल्यूअर है, आप इतने वर्षों से क्या कर रहे थे। यह कोई आज तो पैदा नहीं हुई, इसका रजिस्ट्रेशन कब से हुआ है यदि यह पहले से ही आतंकवादी संस्थाओं से जुड़ी हुई थी तो आप इतने वर्षों से क्या कर रहे थे, आज यह सवाल सामने है?

राज्य में 46 नगरीय निकायों के लिए मतदान हो चुका है और गुरुवार को 30 सितंबर को नतीजे आने वाले हैं। इन चुनाव को लेकर कमल नाथ ने कहा, हमारे सभी नेता लगे हुए थे, भाजपा ने पुलिस, प्रशासन, पैसे का इन चुनावों में भी जमकर दुरुपयोग किया। हमारा फोकस हर पर चुनाव रहता है और आगामी विधानसभा चुनाव पर भी हमारा मुख्य फोकस है।

आई खुशखबरी! मुफ्त राशन की स्कीम तीन महीने के लिए और बढ़ी

नई दिल्ली, 28 सितम्बर 2022। केंद्रीय कैबिनेट ने गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को मिलने वाले राशन को तीन महीने के लिए बढ़ाए जाने की मंजूरी दे दी है. प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना संशोधित रूप में तीन महीने और जारी रह सकती है.

केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी के बाद प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना संशोधित रूप में तीन महीने और जारी रह सकती है. त्योहारों को देखते हुए सरकार ये फैसला कर सकती है. वित्त मंत्रालय ने कहा कि तीन महीने योजना बढ़ाने से करीब 45 हजार करोड़ रुपये का भार आएगा. इसको लेकर वित्त मंत्रालय का सुझाव है कि इसमें दिए जाने वाले अन्न की मात्रा में कटौती कर दी जाए. वित्त मंत्रालय के अनुसार, रूस-यूक्रेन युद्ध और अन्य सब्सिडी के चलते मंत्रालय पर पहले से ही दबाव है.प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना को मार्च 2020 में कोविड संकट के दौरान लागू किया गया था. इस योजना का लाभ देश के 80 करोड़ लोगों को मिलता है. इसके तहत बीपीएल कार्ड वाले परिवारों को हर महीने प्रति व्यक्ति 4 किलोग्राम गेहूं और 1 किलोग्राम चावल मुफ्त दिया जाता है. बीते कई महीनों से इस योजना को बढ़ाया जा रहा है. इस योजना को सबसे पहले मार्च 2020 में पहले चरण 3 महीनों यानी अप्रैल-जून 2020 के लिए पहले चरण में लागू किया गया था. अब तक इस स्कीम के 6 चरण हो चुके हैं और छठे चरण में मार्च 2022 में इसे 6 महीने के लिए और बढ़ाया गया. अप्रैल-सितंबर 2022 के 6 महीनों के लिए इसकी अवधि बढ़ा दी गई थी.

ममता सरकार की दुआरे राशन योजना को हाईकोर्ट ने किया अवैध घोषित

कोलकाता , 28 सितम्बर 2022। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा संचालित राज्य के लोगों को राशन देने के लिए शुरू की गई दुआरे राशन योजना को हाईकोर्ट ने अवैध घोषित कर दिया है । कलकत्ता हाईकोर्ट के इस फैसले से पश्चिम बंगाल की ममता सरकार को एक बड़ा झटका लगा है।

इसे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के खिलाफ बताया गया है । इसका मतलब है कि अब इस व्यवस्था के जरिए दरवाजे पर राशन पहुंचाने की योजना ठप हो जाएगी । बता दें कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा पिछले साल 'दुआरे राशन' योजना शुरू की गई थी, जिसके तहत लाभार्थियों के घर पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से राशन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही थी ।

पहले हाईकोर्ट ने कुछ और कहा था- कोर्ट ने अपने लेटेस्ट आदेश में भले ही दुआरे राशन योजना को अवैध करार दिया हो, मगर इसी साल जून में कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा था कि पश्चिम बंगाल दुआरे राशन योजना में कुछ भी अवैध नहीं है, जिसके तहत ममता बनर्जी सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से लाभार्थियों के घर पर खाद्यान्न वितरित करती है।

याचिका में क्या मांग की गई थी

हाईकोर्ट के समक्ष दायर एक रिट आवेदन में आग्रह किया गया था कि राज्य सरकार द्वारा 13 सितंबर, 2021 को जारी की गई उस अधिसूचना को असंवैधानिक करार दिया जाए, जिसमें पश्चिम बंगाल सार्वजनिक वितरण प्रणाली आदेश, 2013 के एक प्रावधान में संशोधन किया गया था।

राज्य सरकार की दुआरे राशन योजना को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने कहा था कि पहले भी इसी तरह के मुद्दे पर राशन दुकान विक्रेताओं ने याचिका दायर की थी, लेकिन उच्च न्यायालय ने तब भी दुआरे राशन योजना में हस्तक्षेप नहीं किया था।

नवंबर 2021 में हुई थी इस योजना की शुरुआत- नवंबर 2021 में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 'दुआरे राशन योजना' का उद्घाटन करते हुए कहा था कि इससे राज्य के लगभग 10 करोड़ लोगों को लाभ होगा. ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव से पहले इस योजना की घोषणा की थी, जिसके तहत डीलर लाभार्थियों के घर तक राशन पहुंचाएंगे।

भारतीय सेना को जल्द मिलेगा आर्टिलरी गन सिस्टम,दुश्मनों के लिए बनेगा काल

नई दिल्ली, 28 सितम्बर 2022। दुश्मनों के मंसूबों को काल बन कर पल भर में ध्वस्त करने के लिए देश की सुरक्षा में तैनात जवानों को एक और अत्याधुनिक आर्टिलरी गन सिस्टम परीक्षणों के बाद जल्द सेना को सौंपा जा सकता है । रक्षा सूत्रों के अनुसार एटीएजीएस प्रणाली को एक ग्रीनफील्ड परियोजना के तहत विकसित किया जा रहा है । यह डीआरडीओ और भारतीय निजी क्षेत्र के बीच एक सफल साझेदारी का परिणाम है।

रक्षा अधिग्रहण परिषद की मिली मंजूरी

सूत्रों ने यह भी खुलासा किया कि भारतीय सेना मैकेनाइज्ड फॉर्मेशन के लिए मारक क्षमता बढ़ाने के लिए के-9 वज्र को शामिल करने के लिए तैयार है। इनको शामिल करने के लिए रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की मंजूरी भी मिल गई है । वज्र ने भारतीय सेना की क्षमता को मारक क्षमता और एक्शन के मामले में कई गुना बढ़ा दिया है । फिलहाल सेल्फ प्रोपेल्ड गन वज्र देश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात की गई हैं। वहीं एटीएजीएस का भी 15,000 फीट की ऊंचाई पर सफलतापूर्वक परीक्षण किया जा चुका है।

क्या है एटीएजीएस

एटीएजीएस एक स्वदेशी लंबी दूरी की कैलिबर होवित्जर तोप है जिसे एटीएजीएस परियोजना के तहत डीआरडीओ द्वारा 2013 में सेना की पुरानी तोपों को आधुनिक 155 मिमी आर्टिलरी गन से बदलने के लिए शुरू किया गया था । जंग खा रही पुरानी तोप के मुकाबले एटीएजीएस की आयुध प्रणाली में मुख्य रूप से बैरल, ब्रीच मैकेनिज्म, मजल ब्रेक और रिकॉइल मैकेनिज्म होता है, जो सेना को लंबी दूरी, सटीकता और 155 मिमी कैलिबर के साथ गोला बारूद को फायर करने के लिए अधिक मारक क्षमता प्रदान करता है । साथ ही इस तोप को लंबे समय तक रखरखाव मुक्त और इसके रिलाएबल ऑपरेशन को सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक ड्राइव के साथ कॉन्फ़िगर किया गया है।

52 किलोमीटर तक साध सकती है निशाना

एटीएजीएस तोप आंखों से न दिखने वाले टारगेट पर भी बेहद सटीक निशाना साध सकती है । यह आर्टिलरी गन अपनी श्रेणी की तोपों की तुलना में दो टन हल्की है और इसे बेहतर सटीक और अधिक रेंज प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है । डीआरडीओ के अनुसार 52 किलोमीटर की रेंज के साथ एक समय में लगातार पांच राउंड फायरिंग करने में सक्षम एटीएजीएस दुश्मन को संभलने तक का मौका नहीं देती है. फिलहाल रक्षा विशेषज्ञ एटीएजीएस की रेंज को रैमजेट प्रोपल्शन की मदद से 60 किलोमीटर से अधिक करने के लिए कार्य कर रहे हैं ।

रांची मेन रोड में मंदिर की प्रतिमा तोड़ी गई, आरोपी गिरफ्तार,इलाके में पुलिस बल तैनात

रांची , 28 सितम्बर 2022। झारखंड की राजधानी के मेन रोड में एक मंदिर में स्थित भगवान हनुमान की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया गया। बुधवार अहले सुबह यह खबर रांची में तेजी से फैली और देखते-देखते मंदिर के पास लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। तनाव की स्थिति बनते देख मौके पर भारी तादाद में पुलिस बल की तैनाती की गई है। रांची के एसएसपी किशोर कौशल सहित कई आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने दावा किया है कि यह घटना सिर्फ एक व्यक्ति ने अंजाम दी है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। हालात नियंत्रण में हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही कई हिंदू संगठनों से जुड़े लोग मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने इन्हें समझा-बुझाकर वापस भेजा है। पुलिस के आला अफसरों ने आश्वस्त किया है कि आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। क्षतिग्रस्त प्रतिमा का दुबारा निर्माण कराया जाएगा। रांची में दुर्गापूजा पर पूजा पंडालों और मंदिरों में लाखों श्रद्धालु उमड़ते हैं। इसे देखते हुए पुलिस-प्रशासन अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। लोगों से संयम बरतने की अपील की गई है।

पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि प्रतिमा खंडित करने वाला व्यक्ति मनोरोगी है। उससे पूछताछ की जा रही है।

उधर, भाजपा के कई नेताओं ने इस घटना पर आक्रोश व्यक्त किया है। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने इस घटना को लेकर राज्य सरकार को निशाने पर लिया है और इसे तुष्टिकरण की नीति का नतीजा बताया है।

गौरतलब है कि रांची मेन रोड में बीते जून महीने में भी एक धार्मिक जुलूस के दौरान हिंसा हुई थी और यहां एक मंदिर पर पथराव की वजह से तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी।

मां के पास गुजारे के लिए नहीं थे पैसे,20 दिन के जुड़वां बच्चों को उतार दिया मौत के घाट

भोपाल, 28 सितम्बर 2022। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक मां ने खुद अपने हाथों से अपने 20 दिन के जुड़वा बच्चों की हत्या कर दी। उनके शव झाड़ियों में फेंकने के बाद उनके खो जाने की रिपोर्ट लिखा दी, लेकिन जैसे ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू की तो पूरा मामला खुल कर सामने आ गया। इसके बाद महिला ने पुलिस को बताया कि उसका अपना ही पेट भरना मुश्किल है तो वह इन जुड़वा बच्चों को कैसे पालेगी।

पुलिस ने दोनों बच्चों का शव झाड़ियों से बरामद किया। भोपाल पुलिस की अतिरिक्त उपायुक्त श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने बताया कि पहले तो पुलिस गुमशुदगी की जांच कर रही थी, लेकिन जब बच्चों का शव मिला तो पुलिस ने हत्या के दृष्टिकोण से मामले की जांच शुरू की। इसके लिए जब सीसीटीवी फुटेज देखा गया तो पता चला कि महिला खुद बच्चों का शव झाड़ियों में फेंक रही है। इसके बाद वह घर में जाकर सो गई है। पूछने पर महिला ने पहले तो बहाने किए, लेकिन बाद में उसने पूरी कहानी पुलिस के सामने उगल दी। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। महिला की पहचान सपना भोपाल की ही रहने वाली धाकड़ के रूप में हुई है।

महिला ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि उसके पति ड्राइवर थे, लेकिन पिछले दिनों एक दुर्घटना की वजह से उनकी नौकरी छूट गई। तब से उनका देवर ही घर का खर्चा संभाल रहा था। अब चूंकि पहले से उन्हें एक दो साल की बेटी है, ऐसे में अब जुड़वा बच्चों का बोझ संभाल पाना उसके बस का नहीं रह गया था। महिला ने पहले पुलिस में बच्चों की गुमशुदगी लिखाई थी। पुलिस को भी शक हुआ था कि बच्चा चोर गिरोह ने इस वारदात को अंजाम दिया है, लेकिन जैसे ही पुलिस ने सीसीटीवी खंगाले, काफी हद तक सच्चाई सामने आ गई। वहीं इस सीसीटीवी के आधार पर जब महिला और उसके पति से पूछताछ हुई तो पूरा मामला सामने आ गया।

नोटबंदी पर सुनवाई 12 अक्टूबर तक स्थगित,सुप्रीम कोर्ट ने कहा-देखना होगा इसे सुनने की जरूरत है या नहीं

नई दिल्ली, 28 सितम्बर 2022। नोटबंदी के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर सुनवाई 12 अक्टूबर तक के लिए स्थगित हो गई है। कोर्ट ने कहा कि पहले यह जांच की जाएगी कि नोटबंदी को चुनौती दे रही याचिकाएं अकादमिक तो नहीं बन गई हैं। कोर्ट के अनुसार, यह भी पता लगाना होगा कि सुनवाई योग्य है या नहीं। कोर्ट के अनुसार, यह भी पता लगाना होगा कि इसे सुना जा सकता है या नहीं। सरकार ने साल 2016 में नोटबंदी का ऐलान किया था।

बुधवार को जस्टिस एस अब्दुल नजीर, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस एएस बोपन्ना, जस्टिस वी रामसुब्रमण्यम और जस्टिस बीवी नागरत्ना की संविधान बेंच 58 याचिकाओं पर विचार कर रही थी। ये याचिकाएं केंद्र सरकार के साल 2016 में लिए गए नोटबंदी के फैसले के खिलाफ दायर की गई थी।

सुनवाई के दौरान जस्टिस नजीर ने सवाल किया, 'क्या अब भी यह बचा है।' इसपर वकील ने जवाब दिया कि शीर्ष न्यायालय ने साल 2016 में कई मुद्दों की पहचान की थी और मामले को संविधान बेंच के पास भेज दिया था। उन्होंने बताया कि इस मामले पर उच्च न्यायालयों में सुनवाई पर रोक लगा दी थी। बाद में जस्टिस गवई की तरफ से भी इसी तरह का सवाल किया गया।

एक अन्य वकील ने कहा कि मामले के दो पहलु हैं। पहला कि इसमें सरकार के निर्णय की वैधता और लोगों की तरफ से किए गए परेशानियों का दावे शामिल हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, 'व्यवहारिक उद्देश्यों के लिहाज से ये मुद्दे अब नहीं बचे हैं। अगर शैक्षणिक उद्देश्य से बेंच इन पर विचार करना चाहती है, तो हम मदद कर सकते हैं।'

इसपर जस्टिस गवई ने सवाल किया, 'इतने बड़े स्तर पर लंबित होने के बाद भी पांच जजों की बेंच के अकादमिक मुद्दों पर विचार करना चाहिए? क्या अकादमिक मुद्दों के लिए समय है?' जस्टिस नजीर ने मामले पर सुनवाई के लिए 12 अक्टूबर की तारीख तय की है। उन्होंने कहा, 'पहला सवाल है कि हम यह जांच करेंगे कि क्या यह मुद्दा अकादमिक बन गया है और इसे सुना जा सकता है या नहीं।'

दिग्विजय सिंह लड़ेंगे कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव

नई दिल्ली, 28 सितम्बर 2022। कांग्रेस अध्यक्ष पद चुनाव से जुड़ी बड़ी खबर आ रही है. दिग्विजय सिंह भी कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे. वह जल्द ही चुनाव के लिए नामांकन करेंगे. फिलहाल दिग्विजय सिंह राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ो यात्रा में हिस्सा ले रहे थे. अब वह आज रात तक दिल्ली वापस आएंगे.

इससे पहले तक कांग्रेस मुखिया के चुनाव की रेस में शशि थरूर और अशोक गहलोत का नाम सामने आ रहा था. लेकिन राजस्थान में कांग्रेस पार्टी के भीतर मचे बवाल के बाद अशोक गहलोत के चुनाव लड़ने पर संशय बना हुआ है. दूसरी तरफ शशि थरूर की उम्मीदवार पक्की मानी जा रही है. वह 30 सितंबर को कांग्रेस अध्यक्ष पद चुनाव के लिए नामांकन करने वाले हैं.

थरूर, गहलोत के अलावा अध्यक्ष पद की रेस में मुकुल वासनिक, मल्लिकार्जुन खड़गे, केसी वेणुगोपाल का नाम भी सामने आ रहा था. इस लिस्ट में दिग्विजय सिंह का भी नाम था, जो अब पक्का हो गया है.

दिग्विजय के पास लंबा संगठनात्मक और प्रशासनिक अनुभव है. वह दो बार मध्य प्रदेश के सीएम रहे हैं. उनकी गिनती गांधी परिवार के वफादारों में होती है. कांग्रेस फिलहाल संघ और उनके हिंदुत्व के खिलाफ आवाज बुलंद कर रही है. इन्हीं के खिलाफ दिग्विजय सिंह भी लंबे वक्त से मुखर होकर बात करते रहे हैं।

संपादकीय

कौन बनेगा देश का अटॉर्नी जनरल?

मुकुल रोहतगी ने देश के सबसे बड़े कानूनी अधिकारी अटॉर्नी जनरल का पद ठुकरा दिया है। यह हैरानी की बात है क्योंकि उन्होंने पहले अटॉर्नी जनरल बनने की हामी भर दी थी। वे नरेंद्र मोदी की सरकार के पहले अटॉर्नी जनरल रहे हैं। उनको 2014 में एजी बनाया गया था और तीन साल के कार्यकाल के बाद वे 2017 में रिटायर हुए। उनके दोस्त और साथी वकील अरुण जेटली ने तब उनको अटॉर्नी जनरल बनवाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। अब पिछले पांच साल से केके वेणुगोपाल देश की महाधिवक्ता हैं। तीन साल के कार्यकाल के बाद उनको एक-एक साल का दो विस्तार मिला और फिर तीन महीने का विस्तार मिला, जो 30 सितंबर को समाप्त हो रहा है।

उस दिन मुकुल रोहतगी को फिर से अटॉर्नी जनरल बनना था लेकिन रविवार को उन्होंने बताया कि उनका मन बदल गया है और अब वे अटॉर्नी जनरल नहीं बनेंगे। ध्यान रहे इससे पहले केंद्र सरकार हरीश साल्वे को अटॉर्नी जनरल बनाने का प्रयास कर चुकी है। उनके लिए सरकार ने एक साल से ज्यादा समय तक इंतजार किया है। लेकिन वे तैयार नहीं हुए तब रोहतगी को फिर मौका देने का फैसला हुआ। पर अब वे भी पीछे हट गए हैं। तभी सवाल है कि क्या देश के सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता नए अटॉर्नी जनरल होंगे? उनका गुजरात का होना उनके रास्ते में बाधा है। पहले ही देश के प्रधानमंत्री और गृह मंत्री गुजरात से हैं। यह भी सवाल है कि क्या फिर से साल्वे से बात होगी? क्या कुछ दिन और सेवा विस्तार वेणुगोपाल को मिलेगा?

युवाओं में दिल का दौरा,भारत के हृदय पर बोझ

-डॉ सत्यवान सौरभ
भिवानी, हरियाणा

आज युवा आबादी में हृदय संबंधी समस्याओं की प्रवृत्ति बढ़ रही है। दिल का दौरा और अन्य हृदय रोग दुनिया भर में हमेशा से प्रमुख स्वास्थ्य मुद्दे रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, दिल के दौरे के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं, जिनमें मधुमेह, और रक्तचाप, जीवनशैली कारक जैसे धूम्रपान, शराब पीना और अस्वास्थ्यकर आहार के साथ-साथ अत्यधिक तनाव शामिल है जो हृदय को बीमार करता है और हृदय संबंधी समस्याओं के लिए अतिसंवेदनशील बनाता है। कम उम्र की आबादी में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा आदि जैसी बीमारियों में भी एक बढ़ती प्रवृत्ति देखी जा रही है

युवा आबादी में हृदय रोगों के लिए जिम्मेदार कारक एक नहीं अनेक है, जीवनशैली कारक जैसे- शारीरिक निष्क्रियता, धूम्रपान, शराब पीना, गतिहीन जीवन शैली, नींद की कमी आदि। जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के लिए परिवार/आनुवंशिक इतिहास भी जिम्मेदार है। बढ़ता प्रदूषण स्तर एवं तनाव किसी व्यक्ति की मानसिक भलाई में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मिलावटी भोजन, अनुचित आहार और पोषण की कमी जोखिम को और बढ़ाने के अन्य कारण हैं। धारणा यह है कि कम उम्र में भी अस्वास्थ्यकर भोजन का शारीरिक स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

कम उम्र की आबादी में बीमारी के बदलाव के लिए जिम्मेदार प्रमुख कारण लक्षणों की अनदेखी है, यह देखा गया है कि अधिकांश रोगी हृदय गति रुकने के पहले लक्षणों जैसे सीने में दर्द आदि को नजरअंदाज कर देते हैं। इसे अक्सर अपच समझ लिया जाता है। जब तक लक्षण की गंभीरता देखी जाती है, तब तक यह अंगों को नुकसान पहुंचाने वाला एक बड़ा हमला बन जाता है और कभी-कभी रोगी की मृत्यु का कारण बनता है। वैश्विक स्तर पर चीनी की खपत दस गुना से अधिक बढ़ गई है। चीनी सूजन का कारण बनती है जो बदले में हृदय रोगों, मधुमेह और रक्त के पीएच स्तर में परिवर्तन के लिए जिम्मेदार होती है जो विद्युत रासायनिक प्रक्रियाओं को बाधित करती है।

कुछ खाद्य पदार्थ पोषण में शुद्ध नकारात्मक होते हैं, वे एक स्वस्थ शरीर के विटामिन, खनिज और अमीनो एसिड को अवशोषित और उपयोग करते हैं। परिष्कृत भोजन जैसे एक्सप्रेस कार्ब्स का उपयोग जो पाचन के बाद बहुत जल्दी चीनी में परिवर्तित हो जाता है। सब्जियों और दालों में पाए जाने वाले लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स कार्ब्स को आहार में काफी कम कर दिया गया है। औद्योगिक क्रांति के बाद, मुख्य आहार के रूप में गेहूं और चावल पर बहुत अधिक निर्भरता हुई और मोटे अनाज जैसे बाजरा की खपत में गिरावट आई। बिस्कुट और आलू के चिप्स जैसे सुविधाजनक खाद्य पदार्थों की बढ़ती लोकप्रियता और हल्का नाश्ता, काम का दोपहर का भोजन और अस्वास्थ्यकर जंक डिनर का चलन खराब जीवन शैली का परिणाम है।

हृदय रोगों में व्यायाम व्यवस्था की भूमिका भी है, आजकल देखा गया है कि जिम में लोगों को कार्डियक अरेस्ट हो जाता है। आदर्श काया की बढ़ती प्रवृत्ति के परिणामस्वरूप अक्सर युवा उत्साही ओवरबोर्ड जाते हैं और ज़ोरदार व्यायाम के नियमों का पालन करते हैं। वांछित हृदय गति के संबंध में अपर्याप्त मार्गदर्शन के कारण, उच्च-तीव्रता वाले वर्कआउट स्थिति को और खराब कर सकते हैं। इसके अलावा, लोग अपने हृदय संबंधी इतिहास को अपने जिम प्रशिक्षकों / प्रशिक्षकों से छिपाते हैं। शारीरिक बनावट को बढ़ाने के लिए व्यायाम शासन को अक्सर स्टेरॉयड और भोजन की खुराक की भारी खुराक द्वारा पूरक किया जाता है। इससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है

स्वास्थ्य संबंधी अवधारणाओं और निवारक स्वास्थ्य जांच को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। प्रत्येक व्यक्ति को हर साल कम से कम एक ईसीजी करवाना चाहिए। संदेह का एक सूचकांक उठाया जाना चाहिए और विभिन्न स्तरों पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। पोषण शिक्षा के मूल सिद्धांतों को विशेषज्ञता नहीं बनाया जाना चाहिए और इसे स्कूलों और कॉलेजों के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। खाने की आदतों के हिस्से में, चीनी को प्राकृतिक मिठास जैसे शहद, गुड़, किशमिश, खजूर आदि से बदलना चाहिए। कृत्रिम भोजन की खुराक के बजाय अधिक प्राकृतिक भोजन (फल और सब्जियां) को शामिल करके अच्छे और संतुलित आहार का पालन करना चाहिए।

सभी को यह समझना चाहिए कि व्यायाम एक सतत प्रक्रिया है और शॉर्टकट से बचना चाहिए व्यायाम धीरे-धीरे शुरू करना चाहिए और इसे ज़्यादा नहीं करना चाहिए। जैविक घड़ियों/सर्केडियन लय के महत्व का सम्मान किया जाना चाहिए।एक अच्छा व्यायाम आहार सुनिश्चित करने के लिए सभी जिम प्रशिक्षकों के लिए दिशा निर्देश निर्धारित किए जाने चाहिए। उन्हें व्यायाम पैटर्न बदलने से पहले और यहां तक कि समय के वांछित अंतराल पर एक अच्छी तरह से सूचित व्यायाम दिनचर्या के लिए निवारक स्वास्थ्य जांच को बढ़ावा देना चाहिए। नींद की उचित और उचित गुणवत्ता सुनिश्चित करें। विश्व हृदय दिवस प्रतिवर्ष 29 सितंबर को मनाया और मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य हृदय रोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उनके वैश्विक प्रभाव को नकारने के लिए उन्हें कैसे नियंत्रित किया जाए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से वर्ल्ड हार्ट फेडरेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अवकाश की स्थापना की गई थी।

स्वास्थ्य सामाजिक, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का एक संयोजन है और इसलिए स्वस्थ जीवन शैली के लिए सभी पहलुओं पर पर्याप्त रूप से विचार किया जाना चाहिए। किसी भी चीज की अति करने से फायदे से ज्यादा नुकसान हो सकता है। समाजीकरण और शारीरिक गतिविधियों के कम विकल्पों के साथ जीवन अधिक गतिहीन हो गया है, डॉक्टरों ने पिछले दो वर्षों में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, धूम्रपान, शराब के सेवन और एक अस्वास्थ्यकर जीवनशैली के प्रसार में वृद्धि देखी है। भारतीयों में आनुवंशिक प्रवृत्ति, छोटी कोरोनरी धमनियां, ट्रांस वसा की अत्यधिक खपत के साथ एक आहार पैटर्न और एक गतिहीन जीवन शैली है जो उन्हें दिल के दौरे के लिए एक उच्च जोखिम वाली श्रेणी में रखती है।

जिंदगी की बाजी

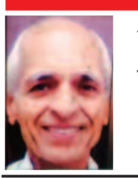

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक
हरियाणा

चाहे जिंदगी की बाजी हार जाए
या जीत जाएं रहना तो हमें
यहीं पर ही है चाहे मन खुश
हो या उदास फिर भी हमने
रहना तो यही है चाहे हमारा साथी
हमारा साथ दें या फिर छोड़ जाए
रहना तो हमने फिर भी यही है
चाहे यह दुनिया हमें दुत्कारे या
फिर हमें पुचकारे फिर भी हमने
रहना तो यहीं पर है!
बेशक हमने रहना
तो यहीं पर ही है
लेकिन हमें कोशिश
करनी चाहिए कि हम आत्मसम्मान
बचाकर अपना जीवन जीएं!

भ्रष्टाचार

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम
छत्तीसगढ़

रोये जनता रोज जी,
कौन लगाये पार।
जिसको जितना मानते,
निकले भ्रष्टाचार।।
निकले भ्रष्टाचार,
दिखे वो सीधा सादा।
फैलाते हैं हाथ,
यहाँ भी कर के वादा।।
माथा पकड़े आज,
मुनाफा कैसे होये।।
नेता का है राज,
देश में जनता रोये।।
बैठे दफ्तर में यहाँ,
कुर्सी का है खेल।
रौब दिखाते घूमते,
अंदर झेल झमेल।।
अंदर झेल झमेल,
दिखावा करते सारे।
लूटे जनता रोज,
तनिक ये होय किनारे।।
गिन गिन हर दिन नोट,
देख कर ऐसे ऐंठे।
जीवन का आधार,
सदा दफ्तर में बैठे।।

देश में शिक्षा के अभाव में मानवाधिकारों के उल्लंघन की सर्वाधिक बढ़ती घटनाएं

संजीव ठाकुर,
रायपुर
छत्तीसगढ़

मानवाधिकारों को सुनिश्चित करने की बढ़ती हुई आवश्यकता सीधा-सीधा शिक्षा तथा जागृति से जुड़ी हुई हैद्य इसके बिना न तो व्यक्तित्व का विकास संभव है और ना ही जीवन यापन की किसी भी पहलू की अंतर्निहित प्रक्रिया ही पूरी होती दिखाई दे रही हैद्य मानवाधिकार के अभाव में जनतंत्र और लोकतंत्र की कल्पना ही निरर्थक है। अंतरराष्ट्रीय संगठन ऑफ ह्यूमन राइट्स वॉच की लगभग 175 देशों में मानवाधिकार की स्थिति का जायजा लेने वाली रिपोर्ट में भारत के संदर्भ में कहा गया है कि यहां महिलाओं तथा बच्चों आदिवासियों के मानव अधिकार से जुड़ी समस्याएं बहुत ज्यादा विकट विकृत और विकराल है। मानवाधिकार के बारे में जानकारी सीधे-सीधे किसी भी देश की शिक्षा, संस्कृति से जुड़ा हुआ सवाल है। देश के बहुत बड़े भूभाग में जहां आदिवासी और उनकी महिलाएं तथा बच्चे निवास करते हैं, वहां शिक्षा के अभाव में मानवाधिकार की कल्पना भी करना एक दुष्कर कार्य है। मानवाधिकार का संदर्भ सीधा सीधा किसी भी देश के शैक्षिक स्तर से जुड़ा हुआ है। भारत देश में मानवाधिकार संरक्षण इसलिए भी काफी पिछड़ा है क्योंकि सभी जिलों में मानव अधिकार आयोग एवं मानवाधिकार संबंधी जागरूकता का ना होना है,और नागरिकों का शिक्षा के प्रति लगाओ ना होना ही है। मानवाधिकार मूलभूत अधिकार हैं। मानवाधिकार के अंतर्गत जीवन जीने का अधिकार शिक्षा का अधिकार, जीविकोपार्जन का अधिकार ,वैचारिक स्वतंत्रता का अधिकार, समानता का अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, निजता का अधिकार, जैसे मूलभूत अधिकार शामिल है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व के अधिकांश देशों में अधिकार संविधान द्वारा नागरिकों को प्रदान किए गए हैं।भारत में भी संविधान के भाग 3 के अनुच्छेद 14 से लेकर 35 तक नागरिकों को विभिन्न प्रकार के अधिकार दिए गए हैं। पूरे विश्व में मानवाधिकार को सुरक्षित सुरक्षित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमनेस्टी इंटरनेशनल एक संस्था है जिसका मुख्यालय ब्रिटेन के लंदन शहर में स्थित है।

वैसे तो मानवाधिकार की अवधारणा के इतिहास बहुत पुराना है। पर नवीन संदर्भों में इसकी अवधारणा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विकसित हुई है। वर्ष 1948 में संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को स्वीकृत किया था। मानव अधिकार का उल्लेख प्राचीन भारतीय ग्रंथों में जैसे मनुस्मृति, हितोपदेश, पंचतंत्र, प्राचीन यूनानी दर्शन आदि में भी मिलता है। 1215 में इंग्लैंड में जारी किए गए मैग्नाकार्टा में नागरिक अधिकारों का विस्तृत उल्लेख तथा वर्णन है, पर उन अधिकारों को मानवाधिकार की संज्ञा नहीं दी जा सकती है। बहुत महत्वपूर्ण 1789 में फ्रांस की क्रांति के बाद वहां की राष्ट्रीय सभा ने नागरिकों के अधिकारों की घोषणा की थी। फल स्वरूप विश्व में समानता उदारता बंधुत्व के विचारों को बल मिलना शुरू हुआ, 19वीं शताब्दी में ब्रिटेन एवं अमेरिका में दास प्रथा की समाप्ति के लिए कानून बने। बीसवीं शताब्दी के आते-आते मानव अधिकारों को लेकर कई विश्वयापी सामाजिक परिवर्तन हुए जिसके अंतर्गत बालश्रम का विरोध एवं विभिन्न देशों में महिलाओं को चुनाव में मतदान का अधिकार प्राप्त हुआ। 1864 में जेनेवा समझौता से अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सिद्धांतों को ताकत प्राप्त हुई। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानव अधिकार को मान्यता प्राप्त हुई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मानव अधिकार संरक्षण संस्था बनी जो पूरे विश्व में अलग-अलग देशों में होते मानव अधिकार उल्लंघन पर नियंत्रण रखती है। पर ऐसा कुछ नहीं है। जो शक्तिशाली व्यक्ति है, राष्ट्र है, वह अपनी मनमानी करता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र संघ और मानव अधिकार आयोग मूकदर्शक बना रहता है । इसका सबसे ताजा उदाहरण अफगानिस्तान पर तालिबानी आतंकवादियों का कब्जा है, अमेरिका,अफगानिस्तान छोड़कर चला गया। और अफगानिस्तान पर बर्बर युग की वापसी के साथ तालिबानी आतंक को अफगानिस्तान की जनता बुरी तरह झेल रही है। एवं महिलाएं तथा बच्चे हर स्तर पर अपमानित प्रताड़ित हो रहे हैं। ना तो संयुक्त राष्ट्र संघ कुछ कर पा रहा है, और ना ही मानव अधिकार आयोग।अफगानिस्तान की आवाम ने पूरी दुनिया से गुहार लगाकर अपनी जान बचाने की अपील की थी,पर वे अभी भी तालिबानियों का आतंक रहने पर मजबूर हैं। 213 में पाकिस्तान के कारागृह में मौत की सजा काट रहे भारतीय कैदी सरबजीत सिंह पर वही के कैदियों द्वारा जानलेवा हमला किए जाने पर उनकी मृत्यु हो गई मानव अधिकार आयोग चुप था। म्यानमार में भी मानवाधिकारों के उल्लंघन की खुली घटनाएं देखी गई, मानव अधिकार आयोग शांत है। पर ऐसा भी नहीं है कि हम मानव अधिकार नियमों तथा आयोग के प्रति एकदम निराश हो जाएं। मानवाधिकार की धाराएं अच्छी एवं सशक्त हैं। मानवाधिकार के संदर्भ में जो संविधान बने हैं, उसमें किसी को भी गुलाम या दासता की हालत में ना कि नहीं रखा जा सकता, किसी को न तो शारीरिक प्रताड़ना नहीं दी जा सकती है। ना ही किसी के प्रति अमानुषिक एक अपमानजनक व्यवहार किया जा सकता है। ऐसा किया जाता है और संविधान की धारों में प्रावधान होता है जो कड़ी से कड़ी सजा दे सकता है। मानवीय मूल्यों और संविधान के संदर्भ में हमें आशावादी दृष्टिकोण अपनाकर ज्यादा से ज्यादा कानून पर विश्वास रख, इन घटनाओं को रोकना चाहिए। भारत में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन 1993 में किया गया था। मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं पर जांच एवं सजा का प्रावधान भी रखा गया है। वस्तुतः शिक्षा के साथ मानव अधिकार संविधान के बारे में भी आम जन को हमें ज्यादा से ज्यादा जागरूक करने की आवश्यकता होगी।

घर एक मंदिर

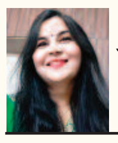

भावना ठाकर भावु
बेंगुलूरु
कर्नाटक

घर एक महफ़ूज़ आशियाना होता है इंसान को सर छुपाने का। ज़िंदगी की जद्दोजहद से जूझते थका-हारा इंसान अपने सुकूनगाह में खुद को सुरक्षित महसूस करता है। किसी एक शहर के, किसी एक मौहल्ले में किसी एक गली में सलिके से सजाए हुए घर के दरवाज़े पर अपना नाम होना, और उस पते का आधार कार्ड से लेकर हर सरकारी डॉक्यूमेंट पर तैनात होना हर एक इंसान का सपना होता है।

घर की परिभाषा शब्दों में बयाँ करना मुश्किल है। दिनरथ पर दौड़ते शाम की आहट पर थका हारा इंसान जब घर का रुख़ करता है तब मन में सुकून को गले लगाने का ख़याल ही सुखद होता है।

घर की दहलीज़ पर कदम रखते ही होठों पर हंसी लिए घर की मालकिन, प्रिय पत्नी दरवाज़ा खोलते गले लगाती हो, घर के भीतर जाते ही दीवारें बाँहें फैलाए बुलाती हो, छत को तकते ही लगे की सर पर शामियाना सजा है, साथ में बच्चों की किलकारी और बुज़ुर्गो के आशीष की बारिश में नहाते सोफे पर पैर फैलाते बैठकर चाय पीते-पीते टीवी पर पसंदीदा प्रोग्राम देखने का अलौकिक सुख जिसे हासिल हो उस इंसान से सुखी दुनिया में और कोई नहीं।

चार दिवारी से बनें मकान को घर बनाता है परिवार का साथ, अपनापन, परवाह और एक दूसरे की फ़्क्रि। जिस घर में क्लेश और झगड़े का वातावरण हो है वह घर, घर नहीं दोज़ख बन जाता है।

हम कहीं भी घूमने जाए भले 5 स्टार होटेल में वैकेशन मना कर आए हो पर घर आकर जब अपने बिस्तर पर चैन की नींद सोते है उस एहसास से सुकूनदेह कुछ नहीं। ख़ुशनसीब होते है वह लोग जिन्हें अपना घर नसीब होता है। इसलिए घर में हँसी-खुशी का वातावरण रखना चाहिए। जिस घर में शांति होती है, उस घर में लक्ष्मी और रिद्धि-सिद्धि का वास होता है। ऐसे घर को कहने का मन करता है घर एक मंदिर।

दुनिया में बहुत से ऐसे लोग है जो फूटपाथ पर चद्दर बिछाकर सोते है, या घास-फूस और कच्ची मिट्टी से बनी झोंपड़ी में रहते है फिर भी कोई सुख सुविधा न होते हुए भी आराम से और प्यार से जीवन गुज़ार रहे होते है। घर छोटा हो या बड़ा ये मायने नहीं रखता जहाँ परिवार एक समय साथ बैठकर खाना खाता हो और जिस घर की खिड़की और दहलीज़ से परिवार के सदस्यों की हंसी की आवाज़ गूँजती हो वह अगर झोंपड़ी भी है तो आलिशान महल से कम नहीं होती। अपना घर जैसा भी हो अपना स्वर्ग होता है।

अभी भी कुछ शेष है

गरिमा राकेश गौत्तम गर्विता
कोटा
राजस्थान

लिखती भी हूँ मैं,पढ़ाती भी हूँ मैं,
सामर्थ्यानुसार कर्तव्य भी
निभाती हूँ मैं,
फिर भी लगता है कि,
अभी भी कुछ शेष हैं।
व्रत भी करती हूँ
पूजा भी करती हूँ
ईश्वर के आगे
श्रद्धा से सर भी झुकाती हूँ।
फिर भी लगता है कि
अभी भी कुछ शेष हैं।
प्रेमी पति भी है
नटखट बच्चें भी है
नाते-रिश्तेदारों से सजा
भरा-पूरा परिवार भी हैं।
फिर भी लगता है कि
अभी भी कुछ शेष हैं।
नाम भी है,
पहचान भी है,
गुरु आशीर्वाद से सम्मान भी है।
फिर भी लगता है कि
अभी भी कुछ शेष हैं।

शमा

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

शमा जलाए रख़ना ये रफ़्तार है जब तक
बुझने न पाए दिल ये इंतज़ार है जब तक
है इम्तहान दिल के सबरो करार का
बारिश न हो अश्कों की ये इकरार है जब तक
मिल जाएंगे ऐसे कभी जैसे जुदा न थे
खोने न पाएं सांसे ये दीदार है जब तक
उम्मीद न टूटे कभी चलती रहे रफ़्तार
धड़कन न हो ख़ामोश ये अशआर है जब तक
कायम रहे पर्दादरी चलते रहें कयास
पलकें खुली रहें दिल ए बेदार है जब तक

अपनी राह

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

तू अपनी राह देख बंदेया
दूजे की ना सोच
ख़ुद से ख़ुद ही करनी है
ख़ुद अपनी ही खोज
जीवन चला चली का मेला
तू ले ले हर पल मौज
अपने कुएं आप गढ़ने हैं
आप ही पानी भरना रोज
अपनी राह आप चलनी
और आप उठाना बोझ
याद रहे छल कपट रहित रह
तेरा कम ना होवे ओज
तू अपनी राह देख बंदेया
दूजे की ना सोच

तमाशा

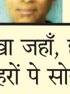

ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर
भोपाल मध्यप्रदेश

तुम ने देखा जहाँ, हम ने तमाशा बहुत देखा ।
नकली चेहरों पे सोने का मुलम्मा बहुत देखा ।
हम ने बहुत चाहा सच को सच कहे, मगर,
शहर में, झूठ बोलने का कायदा बहुत देखा ।
साथ रहने के मायने प्यार हो,ये जरूरी नही,
नदियां के दो किनारों में,फासला बहुत देखा।
जिंदगी की जुस्तजू में,बरसों इंतजार किया,
वो न आई पास, हम ने रास्ता बहुत देखा।
ये भी सच है ,जिंदगी का नाम मौहब्बत है,
मौहब्बत के इस खेल में धोखा बहुत देखा।

मानसिक स्वास्थ्य,शारीरिक ऊर्जा और तनाव मुक्त जीवन के लिए खुद के साथ समय बिताना बेहद फायदेमंद है

खुद के साथ समय बिताने में जीवन के गहरे संकेत छिपे हैं-व्यवसायिक और व्यवहारिक जीवन में खुद के लिए समय निकालना जरूरी

किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

वर्तमान चकाचौंध और डिजिटल दुनिया में हर आदमी अपने व्यवसायिक, व्यवहारिक, सामाजिक, पारिवारिक, आध्यात्मिक और सेवा कार्यों में इस तरह व्यस्त हो गया है कि उसे अपने लिए समय निकालने की चेष्टा ही नहीं रहती, या यूं कहें कि इन सब व्यवहारों से दूर अपने परिवार तक सीमित व्यक्ति भी अपने खुद के लिए समय नहीं निकाल सकता!! या फिर वर्तमान आपाधापी की जिंदगी में वह खुद को भूल सा गया है और सिर्फ अपने परिवार बच्चों समाज आध्यात्मिक तक सीमित हो गया है याफिर कुछ कहावतें जैसे खुद के लिए तो सब जीते हैं दूसरों के लिए जीना मनुष्य जीवन का धर्म है,खुद की छोड़ो दूसरे की भलाई देखो, खुद को चोट लगा कर भी दूसरों की भलाई करना जैसे अनेक कहावतों के भावार्थ ऊपर जीवन जीना भी बुरा नहीं है परंतु खुद अपने अनमोल शरीर के मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक ऊर्जा और तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए खुद के साथ समय बिताना बेहद फायदेमंद है जिसे आजकल की नई परिभाषा में, मी-टाइम भी कहा जाताहै जो कोवि डमहामारी के बाद तो खुद के साथ समय बिताना में जीवन में गहरे संकेत देते हैं इसलिए व्यवहारिक व्यवसायिक जीवन में रोज़ खुद के लिए एक-दो घंटे समय निकालना चाहे वह व्यायाम, अपना शौक पूरा करना, संगीत या फिर किसी भी प्रकार का काम जिससे मानसिक शारीरिक संतुष्टि हो करना बेहद फायदेमंद है।इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से मी-टाइम पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम मी-टाइम के भावार्थ की करें तो, मी टाइम का अर्थ है अपने अत्यधिक व्यस्त रूटीन से विश्रामके लिए या अपने लिए कुछ समय निकालना। यह महज कुछ मिनट या घंटों के लिए भी हो सकता है। मी-टाइम का मतलब उस समय का आनंद लेना है, जहां हम शांति से कॉफी का आनंद लेते हैं, अपने नाखून ठीक करतें हैं या जिम जाते हैं। वह समय जो व्यस्त कार्यक्रम से हम खुद को रिचार्ज करने के लिए निकालते हैं। यदि हम मी टाइम शब्द के लिए नए हैं तो घबराएं नहीं, बस इस आर्टिकल को ध्यान से पढ़ें।

साथियों बात अगर हम मी-टाइम के फायदों की करें तोअगर हम खुद के र्लए समय र्नकालते हैं तो इससे हमारे शरीर की थकान दूर होती है और हम बेहतर महसूस करते हैं। अगर हम र्रलैक्स रहेंगे और मन शांत रहेगा तो हम बेहतर तरीके से काम कर पाएंगे। मन और शरीर को र्रलैक्स करने के र्लए हम खुद के र्लए समय जरूर र्नकालें, जिससे बेहतर मेंटल हेल्थ, एनर्जी और स्ट्रेस फ्री होने के लिए मी-टाइम यानी खुद के साथ समय बिताना बेहद फायदेमंद है। एक मीडिया के एक शोध के मुताबिक युवा भारतीय महिलाएं हर दिन अपने स्मार्टफोन पर करीब 145 मिनट बिताती हैं। यह वक्त उनके खुद के लिए होता है। मनोवैज्ञानिक भी मी टाइम को मानसिक स्वास्थ्य और रिश्तों के लिए लाभदायक मानते हैं। इससे न सिर्फ हम खुद को लेकर किसी उधेड़बुन से अपने आप को मुक्त रखते हैं, बल्कि यह हमारे दिमाग को तरोताजा भी करता है।मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि इससे एकाग्रता बढ़ती है। हम अधिक तार्किक बनते हैं। घर-बाहर बेहतर तरीके से समायोजित हो पाते हैं, हम खुश रहते हैं और मन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।

साथियों बात अगर हम खुद के लिए समय बिताने के तरीकों की करें तो, अगर हम माता-र्पता हैं और खुदके र्लए समय र्नकालना चाहते हैं तो हम ये आसान तरीके अपना सकते हैं- हॉबी शुरू करें, हम खुद के साथ समय र्बताएं और इसके र्लए हम कोई हॉबी फॉलो कर सकते हैं जैसे र्सर्वंग, डांस करना आदि । आज के समय में खुद के साथ समय र्बताने का सबसे अच्छा तरीका है ऑर्डयोबुक्स या ऑनलाइन पॉडकास्ट या रेर्डयो सुनना वैसे मैं खुद की बात करूं तो मैं रेडियो सुनना पसंद करता हूं। खुद के साथ समय र्बताने के र्लए हम डायरी र्लख सकते हैं या अपने बचपन की कोई हैर्बट फॉलो कर सकते हैं। हर र्दन हम बच्चों को देते हैं तो एक र्दन ब्रेक लेकर हम घूमने जा सकते हैं या र्फर शॉर्पंग कर सकते हैं। हम र्कसी र्फर्जकल एर्क्टर्वटी को भी समय दे सकते हैं, इंडोर वर्कआउट या जॉर्गंग, रर्नंग आर्द एर्क्टर्वटी आप अपना सकते हैं।

साथियों खुद के साथ समय र्बताकर हम फ्रेश महसूस करेंगे बच्चों के र्लए फायदेमंद होता है मी टाइम- अगर हम खुद को समय दे रहे हैं तो उसका फायदा हमारे बच्चों को ही र्मलेगा। र्जस समय हम खुद को समय देना चाहते हैं उस समय बच्चों के साथ खेलें और उनके साथ समय र्बताएं। बच्चों के साथ समय र्बताकर हम बेहतर महसूस करेंगे और हमारा मूड भी फ्रेश हो जाएगा। अगर हम खुद के र्लए समय र्नकालेंगे तो अपने मूड को बेहतर कर सकते हैं। माता-र्पता बनने के बाद कई बार काम और र्जम्मेदारी के दबाव में मूड खराब होता है र्जससे हमारा व्यवहार आपस में और बच्चों के साथ बदल सकता है, पर हम खुद को समय देंगे तो हम अपने मूड को बेहतर कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम व्यसायिक और व्यावहारिक जीवन केतनावों की करें तो, डेडलाइन, टारगेट, एचीवमेंट, घर की व्यवस्था, बच्चों की परीक्षाएं, उनका कॅरियर, पेरेंट्स की हेल्थ इत्यादि इन सबके बीच कहीं कुछ छूट तो नहीं रहा है हमारा? कभी एकांत के पलों में हम पूछे अपने दिल से कि इन पलों में क्या है, जो केवल हमारा है याने हमारा मी टाइम। जवाब में ईमानदारी झलके इसलिए हम कुछ पलों के लिए समर्पण का चश्मा जरूर उतार लें।अपने लिए खुशी के पलजुटाने की चाह सभी की होती है, वो चाहे पुरुष हो या फिर महिला। लेकिन कई बार महिलाओं को घर परिवार, करियर की तमाम जिम्मेदारियों के चलते खुद के लिए फुर्सत नहीं मिल पाती। हो सकता है कि हम शायद इसकी अहमियत न समझतें हों। पर विज्ञान भी मानता है कि अगर हम खुद के लिए वक्त नहीं निकालते हैं, तो निगेटिव सोच बढ़ती जाती है।

साथियों हम अपने व्यवसायिक जीवन से थोड़ा वक्त निकालें, कुछ ऐसा काम करने के लिए जिससे हमको सुकुन मिले। हमारे भीतर एक नई ऊर्जा का संचार हो। वक्त को इस तरह बांटिए कि हमारे हिस्से में भी थोड़ा सा समय जरूर रहे। अभी लोग अपना पूरा समय दूसरों के लिए रखते हैं। यहां तक कि भोजन और श्रंगार तक हम दूसरों के लिए ही कर रहे हैं, जबकि यह नितांत निजी मामला। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि हमारे शौक ही हमारा व्यवसाय बन जाता है। फिर हमको खुद को समय देना जरूरी नहीं होता लेकिन अमूमन ऐसा ही होता है कि हमारे शौक कुछ और होते हैं और काम कुछ और। काम का दबाव दिमाग पर होता है और शौक का दबाव दिल पर। जब हम काम छोड़कर शौक पूरा करने जाएंगे तो दिमाग इजाजत नहीं देगा और अगर शौक को छोड़कर काम करेंगे तो दिल झंझोड़ता रहेगा। आज कई लोग यह भूल गए हैं कि खुद के लिए जीया कैसे जाए। हम जब परिवार में होते हैं, बच्चों के साथ होते या मित्रों के साथ, लेकिन दरअसल हम कभी खुद के साथ नहीं होते। अपने कुछ कर्मों अपनी ओर मोड़ लें। कर्म से खुद को भी जोड़ें। हर काम का आर्थिक लाभ देखना ठीक नहीं है। सच पूछिए तो खुद के लिए समय निकालना सैल्फिशनेस का कोई साइन नहीं है। खुद को खुश रखकर ही हम अपनों में खुशी बिखेर सकते।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मी-टाइम मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक ऊर्जा और तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए खुद के साथ समय बिताना बेहद फायदेमंद है। खुद के साथ समय बिताने में जीवन के गहरे संकेत छिपे हैं व्यवसायिक और व्यावहारिक जीवन में खुद लिए समय निकालना जरूरी है।

हदें

जयश्री बिरमी
अहमदाबाद
गुजरात

शान हैं उसी में
इंसान अपनी हद में रहें
जब छोड़ हद न समंदर
न ही नदी बहें
इंसान ही हद न जाने
वह हद से बढ़े
बेईमानी की कोई हद
ना सदा ही बढे
जूठ के पैर कोई न
फिर भी तीव्र चलें
रिश्ते सच्चे बनते
जूठे फिर भी निभें
तिजारत भी है बेमानी धोखे से चलें
शिक्षा दीक्षा पढ़ाई सब में धोखा करें
बनावट भरी दुनियां,
सब ही शक करें
लिखावट नकली
खयालात भी नकली
खबरों की दुनियां भी तो नकली
नेता नकली बेईमान रियाया नकली
असल की खोज में
मैं भी तो निकली
पाएं जो जन सत
का पाठ वही असली

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

भाजपा का विरोध केवल दिखावा...

पुरानी खदान पीइकेबी रोकने का अधिकार केंद्र सरकार के पास

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 सितम्बर 2022(घटती-घटना)।
हसदेव अरण्य क्षेत्र में 2011 में भाजपा की रमन सिंह सरकार द्वारा स्वीकृत परसा ईस्ट केते बासेन खदान के लिए 43 हेक्टेयर में वनों की कटाई का काम किया जा रहा है। कांग्रेस की सरकार ने स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव की पहल पर हसदेव अरण्य क्षेत्र को बचाने के लिए यहां खुलने वाली शेष तीन खदानों के लिए वन काटने की अनुमति निरस्त कर दी है। नई खदान न खुलने से हसदेव अरण्य क्षेत्र के बीस लाख से ज्यादा वृक्षों को बचाया जा सकेगा। भाजपा का विरोध केवल दिखावा है। पुरानी खदान पीइकेबी रोकने का अधिकार केंद्र सरकार के पास है।

उक्त बातें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष शफी अहमद, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष डॉ जेपी श्रीवास्तव, महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह देव, महापौर डॉ अजय तिर्की, जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने संयुक्त बयान जारी कर कही है। इन्होंने कहा कि वर्ष 2011-12 में राज्य में भाजपा की सरकार थी, तब परसा ईस्ट केते बासेन पीइकेबी खदान के लिए दो चरणों में 841.538 एवं 1136.328 हेक्टेयर जमीन खदान के लिए आबंटित कर जंगल काटने की अनुमति दी थी। 2013 से ही यहां से कोयला उत्खनन प्रारंभ है। इसी स्वीकृति के तहत यहां 26 सितम्बर से 43 हेक्टेयर में वनों की कटाई की जा रही है। इसे रोकने के लिए ग्रामीण और पर्यावरण संरक्षण में लगे लोग सुप्रीम कोर्ट तक गए लेकिन राहत नहीं मिली। इस बीच 2017 में केंद्र की मोदी सरकार ने हसदेव अरण्य क्षेत्र में परसा कोल ब्लॉक को नीलाम कर खदान खोलने की प्रक्रिया शुरू कर दी। प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीण इस खदान के विरोध में पिछले सात महीनों से जंगल मे बैठे है।स्वस्थ्य मंत्री और स्थानीय विधायक टीएस सिंह देव ने उन्हें भरोसा दिया था कि ग्रामीणों की सहमति के बिना एक भी खदान नहीं खुलने देंगे। उनकी पहल पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नए खदान खोलने नहीं देने का आदेश दिया है।

भाजपा का विरोध दिखावा,खदान रोकने के लिए पीएमओ तक निकालें मार्च

मित्र उद्योग पतियों के लिए हसदेव अरण्य क्षेत्र को उजाडऩे की अनुमति देने वाले भाजपाई सत्ता जाने के बाद लोगो मे भ्रम फैला रहे हैं। वन विभाग पूर्व में जारी की गई अनुमति और आंदोलनकारियों की सहमति के आधार पर फिलहाल सिर्फ 43 हेक्टेयर वनों की कटाई कर रही है। वृक्षों की कटाई के संदर्भ में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के द्वारा किया जा रहा विरोध केवल दिखावा व ओछी राजनीति का हिस्सा है। पुरानी खदान पीइकेबी की स्वीकृति निरस्त करने का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। ऐसी स्थिति में बीजेपी का विरोध प्रदर्शन करना बिल्कुल भी न्याय संगत नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर सच में भारतीय जनता पार्टी के नेता लोगों का हित चाहते हैं तो खदानों को निरस्त करने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय तक मार्च निकालना चाहिए।

नई खदानों की मंजूरी से जन्मा आंदोलन

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकाल के दौरान 2017 में असंवैधानिक तरीके से नई खदानों को स्वीकृत देने के कारण आंदोलन ने जन्म लिया। अगर बीजेपी सरकार 2017 में ही ग्रामीणों की मंशा अनुरूप बिना प्रशासनिक दबाव से परसा समेत अन्य माइंस को लेकर प्रक्रिया शुरु ना करती तो आज यह आंदोलन ना होता और ना ही कांग्रेस द्वारा नई माइंस को बचाने के लिए पहल करनी पड़ती।

प्रशासनिक चूक से उपजा भ्रम

परसा ईस्ट केते बासेन के पेंडो की कटाई को लेकर प्रशासनिक चूक से भ्रम की स्थिति निर्मित हो गई है। वहां ग्रामीणों की सहमति और पूर्व की अनुमति के आधार पर सिर्फ 42 एकड़ में वनों की कटाई की जा रही है।प्रशासन को प्रभावित वन क्षेत्र को स्पष्ट चिन्हांकित कर आमजनों को भरोसे में लेकर दिन के उजाले में कार्यवाही करनी चाहिए थी।

पेड़ों की कटाई के विरोध में भाजपा का उग्र प्रदर्शन, कहा लाखों पेड़ों की हत्या की दोषी है कॉंग्रेस सरकार

अडानी कंपनी के परसा केते कोल ब्लॉक एरिया में लाखों पेड़ों की हो रही कटाई के विरोध में आज भाजपा सरगुजा ने जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह के नेतृत्व में उग्र प्रदर्शन किया।

अदानी के परसा केते फेस 1 कोल ब्लॉक एरिया में आज पुलिस बैरिकेडिंग के समीप भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंह देव, पूर्व ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सोनी, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष प्रबोध मिंज, पूर्व विधायक विजय नाथ सिंह, तथा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भारत सिंह सिसोदिया सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने जमीन पर बैठकर धरना दिया तथा तत्काल पेड़ कटाई रोकने की मांग की। पेड़ कटाई बंद करो के जोरदार नारों के साथ कई बार आक्रोशित भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस की झूमा झटकी भी हुई। भाजपा नेताओं ने उपस्थित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारीयों से पेड़ कटाई स्थल तक जाने की मांग की पर उन्होंने जाने नहीं दिया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उदयपुर परसा केतु क्षेत्र में हो रहे लाखों पेड़ों की हत्या लिए कांग्रेस की सरकार दोषी है। एक साजिश के तहत 43 हेक्टेयर क्षेत्र में अब तक कटे पेड़ों की संख्या मात्र 8000 बताई जा रही है जबकि ये संख्या लाखों में है। आगे उन्होंने अंबिकापुर विधायक पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कहां गए सीने में गोली खाने की झूठी बात कहने वाले अंबिकापुर विधायक व मंत्री टी इस सिंह देव? उन्होंने आम जनता व प्रेस मीडिया के सामने कहा था कि एक भी पेड़ नहीं कटेगा और इसके लिए गोली भी खानी पड़ी तो पहली गोली मेरे सीने में चलेगी। भूपेश सरकार के मंत्री टी सिंह देव के झूठ बोलकर जनता के साथ धोखा करने वाले इस बयान के विरोध में कल दोपहर 1 बजे भाजपा सरगुजा मंत्री टी यस सिंह देव के निवास का घेराव करेगी।

धरना प्रदर्शन में वरिष्ठ नेता त्रिलोक कपूर कुशवाहा, राज बहादुर शास्त्री, फुलेश्वरी सिंह, अरुण सिंह, आलोक दुबे, विनोद हर्ष, मधुसूदन शुक्ला, राधे श्याम ठाकुर, राजकुमार बंसल, विकास पांडे, विजय व्यापारी, संतोष दास, रूपेश दुबे, विद्यानंद मिश्रा, कैलाश मिश्रा, अभिषेक शर्मा, शैलू सिंह, निश्चल सिंह, विश्व विजय तोमर, जन्मजय मिश्रा, अजय प्रताप सिंह, अनिल सिंह, अखंड विधायक, संतोष जायसवाल, अनिल जयसवाल, हरमिंदर टीन्नी, आकाश गुप्ता, निरंजन राय, वेदांत तिवारी, अवधेश सोनकर, पप्पू दुबे, दिलीप भसीन, मनोज सोनी संजीव वर्मा, सर्वेश तिवारी, दिव्यांशु केसरी, सोलू सिंह, अशोक सोनी, कामेंद्र राजवाड़े, कुणाल सिंह, हर्ष जयसवाल, राम केश्वर राजवाड़े सहित बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज के बच्चे हुनर के बल पर हर क्षेत्र में बढ़ रहे आगे

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 सितम्बर 2022(घटती-घटना)।
. स्थानीय अग्रसेन भवन में अग्रसेन जयंती 2022 के उपलक्ष्य में पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह के अवसर पर प्रश्न मंच सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अथिति के रूप में जशपुर के कलेक्टर रितेश अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि राजेश अग्रवाल लखनपुर, अतिथि विनोद अग्रवाल राजपुर उपस्थित थे। इस अवसर पर अग्रवाल सभा के अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने अपने स्वागत उद्बोधन में अग्रवाल समाज को जयंती के उपलक्ष्य पर बधाई ओर शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जशपुर कलेक्टर रितेश अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल समाज हमेशा से परोपकार के काम में आगे रहा है। उन्होंने हमेशा समाज के उत्थान के लिए कार्य किए है और दिन दुखियों की हमेशा मदद की है। अपने पूर्वज अग्रसेन जी के बताए मार्ग पर आज हम सब चल रहे हैं। अग्रवाल समाज के बच्चे युवा अपने हुनर के बल पर हर दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसके पश्चात मंचासीन अतिथियों द्वारा विभिन प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को और समाज के होनहार छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक प्रतिभा प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के अंत में अग्रवाल सभा द्वारा अथितियों को शाल, श्रीफ़ल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस अवसर पर अरविंद सिघनिया, राजीव अग्रवाल (राजू) किशन सलतनिया, जगदीश अग्रवाल अशोक अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, विकाश अग्रवाल, संजय गोयल, लेखराज अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, पवन लोहिया, प्रह्लाद गोयल, विनोद अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, संजय गणित, श्रीनिवास केडिया, अशोक अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, घनश्याम गर्ग, अमित अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, किसन अग्रवाल, आशीर्वाद कौशल सिंघल, कन्हैया लाल अग्रवाल एवं अग्रवाल महिला सभा की अध्यक्षा लक्ष्मी अग्रवाल, संगीता रितु केडिया, कोमल सल्तनिया, सीमा गर्ग, अग्रवाल युवा मंच से युवा अध्यक्ष ऋषभ गर्ग, दीपक सिंघानिया, आशीष अग्रवाल, राहुल गर्ग, संजय जलान ,मुकेश सिंघल, तनिष्क अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल, यश अग्रवाल शामिल रहे।

विकास कुमार गुप्ता बने आई टी सेल सोशल मीडिया कांग्रेस के जिला सचिव

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 सितम्बर 2022(घटती-घटना)।
आज जिला सूरजपुर आई टी सेल कांग्रेस जिलाध्यक्ष ललिता बीनकर के नेतृत्व में कार्यकारणी का गठन किया गया जिसमें जिला सचिव विकास कुमार गुप्ता को अहम जिम्मेदारी पर नियुक्त किया गया है। साथ ही जिला उपाध्यक्ष उत्तम यादव व हर्ष राय को नियुक्त गया गया । जिला सचिन पद पर हरि कुशवाहा, चंदन सर्मा , तुलसी जायसवाल , रामनारायण यादव जिला महासचिव पद पर सोना कुर्रे , कृष्ण मुरारी साहू , चन्द्र प्रताप गुर्जर , प्रभासकर स्काई , सुमित सोरी सह सचिव पद पर विशेष पैकरा, स्वेता देवांगन , पिंटू राजवाड़े की नियुक्ति किया गया , इनकी नियुक्ति से पूरे जिले में हर्ष व्यक्त किए । समस्त कार्यकर्ताओं से सूरजपुर जिला कांग्रेस सोशल मीडिया में काफी मजबूत होने की उम्मीद किया गया है । सभी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत से कांग्रेस की विचारधारा व सरकार की उपलब्धि जन जन तक पहुचाने में अहम भूमिका निभाएंगे ।

चोरी के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 सितम्बर 2022(घटती-घटना)।
मणिपुर चौकी पुलिस ने चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की एलइडी टीवी भी बरामद की है। जिसे आरोपी द्वारा बेचने के लिए ग्राहक की तलाश की जा रही थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार दर्रीपारा निवासी नेम साय तिर्की दिनेश कुमार सिंह के मकान में रहकर देख रेख का काम करता है। नेम साय 23 सितंबर को कहीं बाहर गया था। इस दौरान अज्ञात व्यक्ति द्वारा घर का ताला तोड़कर कमरे में लगा एलईडी टीवी चोरी कर लिया गया था। नेम साय ने इसकी रिपोर्ट मणिपुर चौकी में दर्ज कराया था। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच कर रही थी। इसी बीच मणिपुर चौकी प्रभारी एसआई सरफराज फिरदौसी को मुखबिर से जानकारी मिली की शहर के जेल तालाब दर्रीपारा का रहने वाला लिंगो गोडसन मरावी एक टीवी बेचने के फिराक में ग्राहक तलाश कर रहा है। चोरी की संदेह होने पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह उक्त टीवी चोरी करना स्वीकार किया और एलईडी टीवी और रिमोट को जेल तालाब दर्रीपारा के पास झाड़ी में रखना बताया। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी गोडसन मरावी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

महिलाओं ने बनाई आकर्षक रंगोली,जजों ने किया तारीफ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
शहर के मणिपुर दर्रीपारा में अनोखी सोच संस्था द्वारा दुर्गा पूजा महोत्सव काफी धूमधाम से मनाया जा रहा है। संस्था द्वारा प्रति दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में बालिकाएं व महिलाएं बढ़-चढ़ कर भाग ले रहीं हैं। मंगलवार को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सीनियर वर्ग में 52 एवं जूनियर वर्ग में 47 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसके साथ ही रस्सी खींचो प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें कुल 16 टीमों ने शिरकत किया। इस प्रतियोगिता में ममता ग्रूप ने बाजी मारी और खिताब हासिल किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में रूही गजाला, चैती अग्रवाल, अनुभा डबराल थी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किरण बंसल व मनीषा गोयल थी। उन्होंने दुर्गोत्सव के अंदर ऐसे रचनात्मक कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम आगे भी जारी रहने चाहिए। इससे बच्चों का व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ उन्हें आगे बढने की भी प्रेरणा मिलती है। कार्यकम के सफल संचालन में संस्था अध्यक्ष सूर्य प्रकाश साहू , कोषाध्यक्ष अभय साहू, सचिव पंकज चौधरी के साथ संस्था के सभी सदस्यों ने अपना योगदान दिया।

अन्तर महाविद्यालयीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में दिखा छत्तीसगढ़ी परंपरा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र अंबिकापुर के कैम्पस में अन्तर महाविद्यालयीन सांस्कृतिक उत्सव (मड़ई 2022) के प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस 30 कृषि महाविद्यालय के 700 छात्र, छात्राओं ने अलग-अलग विधाओं जैसे वन एक्ट प्ले, व्होकल डांस स्किट पेट्रियोटिक सांग, एलोकेशन, कार्टूनिंग एवं अन्य विधाओं का प्रतिस्पर्धा में अपनी कला का जौहर दिखाया। इन विधाओं में छात्राओं द्वारा बहुत सुन्दर प्रस्तुति की झलक देखने को मिली। छत्तीसगढ़ की परम्परा के अनुरूप पंथी नृत्य, सुहा नृत्य आदि की प्रस्तुति प्रेक्षागृह के सभागार में प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता डॉ. आरबी तिवारी ने प्रतिस्पर्धा में भाग लिए छात्र-छात्राओं के ऊर्जा वर्धन हेतु उनके कार्यक्रम की झलकियां देखते रहे। साथ ही इस महाविद्यालय में 30 महाविद्यालय के पधारे अधिष्ठाता, प्राध्यापक वैज्ञानिकों ने बच्चों के कार्यक्रम का खूब आनन्द लिया। यह कार्यक्रम 29 सितंबर को समापन होगा।

छात्राओं ने पर्यटन स्थल मैनपाट जाकर प्राप्त की व्यवहारिक ज्ञान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। होली क्रॉस वीमेंस कॉलेज भूगोल विषय के स्नातकोत्तर की छात्राओं ने पूरे उत्साह व उमंग के साथ छत्तीसगढ़ का शिमला मैनपाट जाकर व्यवहारिक रूप में अंतरराष्ट्रीय पर्यटन दिवस मानते हुए पर्यटन का आनंद लिया।पर्यटन मनोरंजन के साथ व्यवहारिक ज्ञान प्राप्ति का एक बहुत अच्छा स्त्रोत है। छात्राओं ने सरगुजा जिले में स्थित इस पर्यटन केंद्र की भौगोलिक स्थिति, विभिन्न पर्यटन केंद्र जैसे टाइगर पॉइंट, फिशपॉइन्ट, जलजली, उल्टा पानी व गौतम बुद्ध की खूबसूरत प्रतिमा से युक्त मंदिर के न सिर्फ सौंदर्य का आनंद लिया, उल्टा पानी और जलजली जैसे पॉइंटस की विशिष्टता पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए उनपर चर्चा की। साथ ही विभागाध्यक्ष डॉ सीमा मिश्रा तथा साप्रा, चंदा यादव तथा मनीषा राजवाड़े से मैनपाट में पर्यटन व रोजगार की अपार संभावनाओं के बारे में बातचीत की।

ट्राइबल टाइगर अंबिकापुर टीम ने 3-0 गोल से जीता मैच

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 सितम्बर 2022(घटती-घटना)।
शहर के गांधी स्टेडियम में खेले जा रहे सरगुजा फुटबॉल लीग प्रतियोगिता के अंतर्गत बुधवार को दो मैच खेले गए। प्रथम मैच ट्राइबल टाइगर अंबिकापुर व फुटबॉल क्लब हरिहरपुर के मध्य खेला गया। जिसमें ट्राइवल टाइगर की टीम ने हरिहरपुर को 3-0 गोल से हराया। मैच के शुरू से ही ट्राइवल टाइगर की टीम हरिहरपुर के ऊपर भारी थी। ट्राइवल टाइगर की टीम ने अच्छे तालमेल के साथ खेलते हुए प्रथम हाफ में 2-0 गोल से आगे तथा दूसरे हाफ में एक और गोल कर 3-0 से मैच असानी से जीत लिया। दूसरा मैच फुटबॉल क्लब बतौली धौरपुर व फुटबॉल क्लब रिखी के मध्य खेला गया। प्रथम हाफ में दोनों टीमों ने बेहतरीन खेला लेकिन गोल करने में सफल नहीं हो पाया। इस तरह प्रथम हाफ में 0-0 पर रहा। मैच के दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों ने सिफ पास खेलते रहे लेकिन गोल करने का मौका नहीं मिला। इस तरह मैच बराबरी पर ही समाप्त हुआ। गुरुवार को पहला मैच फुटबॉल क्लब इंदिरानगर व फुटबॉल क्लब कोटेया तथा दूसरा मैच फुटबॉल क्लब लब्जी व जीएसटी फुटबॉल क्लब अंबिकापुर के मध्य खेला जाएगा।

शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार ने दीपिका स्वर्णकार को रिसोर्स पर्सन बनाया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 सितम्बर 2022(घटती-घटना)।
सहायक प्राध्यापक दीपिका स्वर्णकार महात्मा गांधी राष्टीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, उच्च शिक्षा विभाग शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की ओर से सरगुजा जिले के 10 उच्च शिक्षा संस्थाओं में सतत विकास,स्वक्षता और स्वक्षता क्रियान्वयन योजना को बनाए रखने के लिए भारत सरकार के निर्देशानुसार संसाधन व्यक्ति (रिसोर्स पर्सन) का दायित्व निभाएंगी। जिले के 10 चयनित महाविद्यालयों में स्वक्षता,अपशिष्ट प्रबंधन , जल प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण,, हरियाली आदि में महाविद्यालों को प्रेरित करेंगी। असिस्टेंट प्रोफेसर दीपिका स्वर्णकार को एवं राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर को उक्त दायित्व मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस एस अग्रवाल ने दी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी माना,तेल कीमतों में तेजी भारत की कमर तोड़ रही है

वाशिंगटन, 28 सितम्बर 2022। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में तेजी से भारत चिंतित है और यह 'हमारी कमर तोड़ रही है।' अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ द्विपक्षीय बातचीत के बाद संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने मंगलवार को कहा कि विकासशील देशों के बीच ऊर्जा जरूरतों के समाधान को लेकर काफी चिंता है। यूक्रेन युद्ध के बारे में उन्होंने कहा, ''हमने निजी तौर पर, सार्वजनिक और लगातार यह कहा है कि यह झड़प किसी के हित में नहीं है।'' रूस से आने वाले तेल की कीमत सीमा तय किये जाने की जी-7 देशों की पहल के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने कहा, ''हम तेल के दाम को लेकर काफी चिंतित हैं। हालांकि, हमारी अर्थव्यवस्था 2,000 डॉलर प्रति व्यक्ति की है, लेकिन जब तेल की कीमत हमारी कमर तोड़ रही है, तब यह हमारे लिये बड़ी चिंता की बात है।'' विदेश मंत्री ने कहा,

''पूर्व में जब भी हम कुछ योगदान करने में सक्षम थे, हम उसके लिये तैयार रहे। इस समय कुछ मुद्दे हैं।'' उन्होंने कहा, ''आपको यह समझना होगा कि पिछले कुछ महीनों से ऊर्जा बाजार पहले से ही काफी दबाव में हैं। वैश्विक स्तर पर विकासशील और अल्पविकसित देशों के लिये न केवल बढ़ती कीमतों को लेकर बल्कि उपलब्धता के मामले में भी सीमित ऊर्जा के लिये प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो गया है।'' जयशंकर ने कहा, ''अभी हमारी चिंता यह है कि ऊर्जा बाजार पहले से ही दबाव में है, यह कम होना चाहिए। हम किसी भी स्थिति का स्पष्ट रूप से मूल्यांकन करेंगे कि यह वैश्विक स्तर पर दक्षिण (विकासशील और अल्पविकसित देश) में हमें और अन्य देशों को कैसे प्रभावित करता है। विकासशील देशों के बीच ऊर्जा सुरक्षा की जरूरत के समाधान को लेकर काफी चिंता है।'' भारत का रूस से तेल आयात अप्रैल से 50 गुना से अधिक बढ़ा है और अब विदेशों से लिये जाने वाले कुल तेल में इसकी हिस्सेदारी 10 प्रतिशत हो गयी है।

नए साल से देश में बिकने वाले सभी मोबाइल फोन के आईएमईआई नंबर का पंजीकरण जरूरी होगा

नयी दिल्ली, 28 सितम्बर 2022। देश में नए साल यानी एक जनवरी, 2023 से बेचे जाने वाले सभी मोबाइल फोन के अंतरराष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान संख्या (आईएमईआई नंबर) का पंजीकरण अनिवार्य होगा। सरकार ने 26 सितंबर को इस बारे में जारी अधिसूचना में कहा है कि भारत में बिकने वाले सभी मोबाइल हैंडसेट के आईएमईआई नंबर को उसके जाली उपकरण रोधक पोर्टल पर पंजीकृत करना होगा।

अधिसूचना में कहा गया है कि एक जनवरी से आयातित और भारत में विनिर्मित सभी हैंडसेट के आईएमईआई नंबर को दूरसंचार विभाग के भारतीय जाली उपकरण रोधक पोर्टल पर पंजीकृत कराना होगा और इसका प्रमाणन हासिल करना होगा।

अधिसूचना में कहा गया है कि विनिर्माताओं को भारत में विनिर्मित सभी मोबाइल फोन का आईएमईआई नंबर जाली उपकरण रोधक पोर्टल पर दर्ज कराना होगा। यह अधिसूचना मोबाइल उपकरण पहचान संख्या से छेड़छाड़ रोधक (संशोधन) नियम, 2022 के तहत जारी की गई है। प्रत्येक मोबाइल फोन का विशिष्ट 15 अंक का आईएमईआई नंबर होता है। यह संबंधित उपकरण की पहचान संख्या होती है।

कई बार मोबाइल फोन गुम होने के बाद उनको ढूंढ पाना मुश्किल होता है। इसकी वजह यह है कि दूरसंचार नेटवर्क में एक ही आईएमईआई नंबर के जाली उपकरण भी होते हैं।

चीन से आयातित स्टील ट्यूब, पाइप पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश

नयी दिल्ली, 28 सितम्बर 2022। वाणिज्य मंत्रालय ने घरेलू कंपनियों को चीन के सस्ते आयात से बचाने के लिए स्टील ट्यूब और पाइप पर पांच साल के लिए डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने चीन से 'स्टेनलेस-स्टील सीमलेस ट्यूब और पाइप' के आयात पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है।

डीजीटीआर ने अपनी जांच में पाया कि इन उत्पादों का भारत में बहुत कम कीमत पर निर्यात किया जाता है, जिससे घरेलू उद्योग प्रभावित हुआ है।

निदेशालय ने एक अधिसूचना में कहा, ''निश्चित डंपिंग रोधी शुल्क को पांच साल के लिए लगाए जाने की सिफारिश की गई है।''

स्टेनलेस-स्टील सीमलेस ट्यूब और पाइप का उपयोग तरल पदार्थ तथा गैस को स्थानांतरित करने समेत कई अन्य कार्यों के लिए किया जाता है। डीजीटीआर ने चंदन स्टील लिमिटेड, ट्यूबेक्स प्रकाश इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और वेलस्पन स्पेशियल्टी सॉल्यूशंस लिमिटेड की शिकायत के बाद जांच शुरू की थी।

डीजीटीआर ने इन उत्पादों पर 114 डॉलर प्रति टन से लेकर 3,801 डॉलर प्रति टन डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। वित्त मंत्रालय इन सिफारिशों को लागू करने पर अंतिम निर्णय लेता है।

प्रधान ने किया 13वीं फिक्की ग्लोबल स्किल सम्मेलन 2022 का उद्घाटन

नयी दिल्ली ,28 सितंबर 2022। केन्द्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को अधिक उत्पादक और मजबूत बनाने के लिए हमें अपने कार्यबल को अधिक उत्पादक बनाना होगा। श्रम कानूनों का सरलीकरण और एप्रेंटिसशिप जैसी पहल हमारे कार्यबल को और अधिक जोशपूर्ण बनाने में एक लंबा सफर तय करेगी। श्री प्रधान ने यहां 13वीं फिक्की ग्लोबल स्किल्स सम्मेलन 2022 का उद्घाटन कर उसे संबोधित किया। उन्होंने भारत के कौशल इकोसिस्टम को और अधिक जीवंत बनाने के लिए कौशल का लाभ उठाने पर अपने विचार साझा किए। श्री प्रधान ने कहा कि हमारा देश सौभाग्यशाली है कि उसकी कुल जनसंख्या में काम करने वालों का अनुपात अधिक है।

रेलवे कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी, सरकार ने किया 78 दिन के बोनस का एलान

नई दिल्ली, 28 सितम्बर 2022। रेलवे कर्मचारियों को आज सरकार ने एक बड़ी खुशखबरी दी है। पीएम नरेंद्र मोदी की अगुवाई में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन के बोनस को मंजूरी दे दी गई है। इससे लगभग 11 लाख कर्मचारियों को लाभ होगा।

सरकार के इस फैसले से करीब 11.56 लाख नॉन गैजेट्ड कर्मचारियों को फायदा होगा। बता दें कि त्योहारी सीजन से पहले रेलवे के लाखों कर्मचारियों के लिए लिए सरकार बोनस का एलान करती आई है। इसका मकसद कर्मचारियों को रेलवे के प्रदर्शन को बेहतर बनाने की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करना है।

इन कर्मचारियों को होगा फायदा

रेलवे की प्रोडक्टिविटी से जुड़ा यह बोनस सभी नॉन गैजेट्ड रेलवे कर्मचारियों को कवर करता है। इसमें RPF और RPSF के कर्मचारी शामिल नहीं हैं। आमतौर पर रेल कर्मचारियों को इस बोनस का पेमेंट दशहरा से पहले कर दिया जाता है। रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन के बोनस पेमेंट के चलते राजकोष पर लगभग 2000 करोड़ को बोझ पड़ेगा।

2021 में भी मिला था 78 दिन का बोनस

2021 में भी केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बोनस के पात्र नॉन गैजेट्ड रेलवे कर्मचारियों (ऋक्कन/ऋक्कस्न कर्मियों को छोड़कर) के लिए वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए 78 दिनों के वेतन के बराबर Productivity Linked Bonus- PLB को मंजूरी दी थी।

कितना मिलेगा पैसा

उत्पादकता से जुड़ा यह बोनस आरपीएफ/आरपीएसएफ कर्मियों को छोड़कर रेलवे सभी अराजपत्रित रेलवे कर्मचारियों को कवर करता है। पिछले वर्ष उत्पादकता से जुड़े बोनस पर लगभग 1,985 करोड़ रुपये खर्च हुआ था। बोनस की घोषणा आमतौर पर दशहरा और पूजा उत्सव से पहले की जाती है। पात्र अराजपत्रित रेल कर्मचारियों को पीएलबी के भुगतान के लिए निर्धारित वेतन की सीमा 7,000 रुपये प्रति माह है। बोनस के रूप में रेलवे कर्मचारी देय अधिकतम राशि 78 दिनों के लिए 17,951 रुपये है।

रिलायंस ने दिल्ली में अपना पहला फैशन और लाइफस्टाइल स्टोर रिलायंस सेंट्रो खोला

नयी दिल्ली, 28 सितम्बर 2022। खुदरा कंपनी रिलायंस रिटेल ने 'रिलायंस सेंट्रो' नाम से फैशन और लाइफस्टाइल स्टोर शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने दिल्ली के वसंत कुंज में अपना पहला सेंट्रो स्टोर खोला है।

रिलायंस रिटेल ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि रिलायंस सेंट्रो के जरिये कंपनी भारत में फैशन को लोकतांत्रिक बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

कंपनी ने कहा कि उसका लक्ष्य 300 से अधिक भारतीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के साथ परिधान, जूते, सौंदर्य, खेल से जुड़े कपड़े से लेकर लगेज तक की श्रेणियों में उपभोक्ताओं के साथ अपनी पहुंच को मजबूत करना है।

मुंहासों की समस्या से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं ये पांच आयुर्वेदिक नुस्खे

अगर आपकी त्वचा पर कील-मुंहासों की समस्या से परेशान हैं और कई स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने के बावजूद इनसे राहत नहीं मिल रही तो आपको आयुर्वेदिक नुस्खों को अपनाना चाहिए। आयुर्वेदिक नुस्खे त्वचा को नुकसान पहुंचाए बिना परेशानी से राहत दिलाने में काफी मदद कर सकते हैं, भले ही आपकी त्वचा किसी भी प्रकार की हो। आइए हम आपको मुंहासों से राहत दिलाने में मददगार पांच प्रमुख आयुर्वेदिक नुस्खे बताते हैं।

मुंहासों से निजात दिलाने में मददगार हो सकती है हल्दी

हल्दी मुंहासों से निजात दिलाने में काफी मददगार साबित हो सकती है। हल्दी में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण के साथ करक्यूमिन नामक एक खास तत्व भी मौजूद होता है। ये गुण मुंहासे, उनके निशान सहित हाइपरपिग्मेंटेशन जैसी समस्याओं का इलाज करने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए रोजाना सुबह सबसे पहले आधा इंच धुली और छिली हुई कच्ची हल्दी का सेवन करें। आप चाहें तो हल्दी का फेस पैक बनाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

नीम से भी मिल सकती है राहत

नीम में एंटी-फंगल, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं और ये त्वचा को मुंहासों से छुटकारा दिला सकते हैं। समस्या से राहत के लिए नीम का इस्तेमाल फेस पैक के तौर पर भी किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में नीम की पत्तियों का पेस्ट और नींबू का रस मिलाएं। अब तैयार मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और

जब यह पूरी तरह से सूख जाए तो मुंह को ठंडे पानी से धोकर साफ कर लें।

एलोवेरा भी है प्रभावी

एक शोध के अनुसार, एलोवेरा एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से समृद्ध होता है। ये मुंहासों का कारण बनने वाले बैक्टीरिया से बचाव का काम कर सकते हैं और इनसे छुटकारा भी दिला सकते हैं। लाभ के लिए एलोवेरा जेल, मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। इसके बाद उसे चेहरे पर लगाएं और सूखने से बाद ठंडे पानी से धोएं।

तुलसी करेगी मदद

तुलसी में एंटी-एक्ने गुण होते हैं और यह मुंहासों को कम करने के साथ-साथ त्वचा की बनावट में भी सुधार कर सकते हैं। लाभ के लिए रोजाना सुबह खाली पेट दो तुलसी के पत्ते चबाएं। आप इसका इस्तेमाल फेस पैक के रूप में भी कर सकते हैं। इसके लिए दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी में एक बूंद तुलसी का तेल और एक बड़ी चम्मच एलोवेरा जेल मिलाएं। अब इसे चेहरे पर लगाकर 10 मिनट के बाद पानी से साफ करें।

शहद का फेस मास्क लगाएं

मुंहासे रहित चेहरा पाने के लिए आयुर्वेदिक नुस्खे के तौर पर शहद के फेस मास्क का इस्तेमाल करना भी बहुत फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए पहले एक कटोरी में दो चम्मच शहद और आधी चम्मच दालचीनी का पाउडर मिलाएं और फिर इसे मिश्रण को पूरे चेहरे पर अच्छे से लगाकर 15 से 20 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में चेहरे को ठंडे पानी से धोकर पोंछ लें और फिर चेहरे पर जेल बेस्ड मॉइश्चराइजर लगाएं।

सुबह खाना जल्दी बनाने के लिए रात में ही करें यह काम

हम खाना बनाने की कितनी ही जल्दी क्यों न करें लेकिन अक्सर लेट हो ही जाते हैं। यह प्रॉब्लम तब और भी ज्यादा बढ़ जाती है जब आप आपको ऑफिस या कॉलेज जाना हो। सुबह के समय जल्दी, टेस्टी और बिना थके बनाना किसी टास्क से कम नहीं है। ऐसे में हम आपके लिए लाए हैं कुछ कुकिंग टिप्स-

रात को सब्जियां काटकर रखें- रात को सब्जियां काटकर फ्रिज में रखी जा सकती हैं। ऐसा करने से आपका काफी समझ बच जाएगा। खासकर अगर आप मल्टीपल डिशेज बनाने वाले हैं, तो यह काम जरूर करें।

राजमा, चना और दाल भिगाकर रखें- राजमा, चना और दाल ऐसी चीजें हैं, जिन्हें पकने के लिए काफी टाइम चाहिए होता है इसलिए आपको इसे भिगाकर रखना चाहिए। जिससे कि आपको कम से कम टाइम देना हो। इन्हें भिगाने से पौष्टिकता तो बढ़ती ही है। साथ ही जल्दी भी पक जाते हैं।

रात में किचन मैनेज करके सोएं- सुबह उठकर आप कम पैनिक होंगे, अगर रात में आप किचन को साफ करके सोएंगे, इससे आपकी काफी मेहनत बच जाएगी और आपको कोई भी सामान तलाशने के लिए मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।

रात को सोचकर सोएं कि क्या बनाना है- आप अगर सुबह उठकर सोचेंगे कि क्या बनाएं, तो ऐसा सोचने में ही काफी टाइम खराब हो जाएगा इसलिए अच्छा यही होगा कि घर के लोगों की पसंद और नापसंद का ख्याल रखते हुए आप रात में ही डिसाइड कर लें कि आपको क्या बनाना है। इससे घर के मेंबर्स के मूड और आपका टाइम दोनों बच जाएगा।

नहीं छोड़ पा रहे शक्कर का सेवन तो अपनाएं ये तरीका,सेहत को मिलेगा फायदा

शक्कर यानी मीठा और मीठा यानी वह तत्व जिसे आजकल सेहत के लिहाज से सबसे खराब चीज माना जा रहा है। लोग सफेद रंग के इस स्वाद से बचने के लिए कई तरह की तिकड़में भी लगा रहे हैं। कोई चाय -कॉफी आदि बिना शक्कर के पी रहा है, तो कोई मिठाई से दूरी बना रहा है। कोई स्पेशल डाइट का प्रयोग कर रहा है, तो कोई जूस पीने तक से बच रहा है। पिछले कुछ समय में लोग शक्कर के सेवन को लेकर बहुत ज्यादा सतर्क हुए हैं। खासकर कोरोना के आने के बाद से सतर्कता का यह प्रतिशत और भी बढ़ गया क्योंकि कई लोगों में शुगर का स्तर अचानक तेजी से बढ़ा। इनमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्हें कोरोना हुआ था और दवाइयों व हार्मोनल चेंजेस की वजह से उनके शरीर में शुगर का स्तर बढ़ गया और वे लोग भी शामिल हैं जो अनियमित दिनचर्या और अव्यवस्थित खान-पान की वजह से इस समस्या के शिकार हो गए।

शुगर डिटॉक्स को लेकर फिलहाल कई तरह के तरीके लोग अपना रहे हैं। प्रश्न यह है कि ये सारे तरीके कितने कारगर हैं? क्या शुगर डिटॉक्स वाकई सेहत को चमत्कारिक रूप से अच्छा बना देता है? जानिए करीब से।

क्या है शुगर डिटॉक्स की प्रक्रिया

सामान्य शब्दों में समझा जाए तो शक्कर से पूरी तरह परहेज। यह तरीका लोग अलग अलग तरह से अपनाते हैं। कुछ लोग कुछ दिनों के लिए तो कुछ लोग कुछ महीनों के लिए शक्कर को अपनी डाइट से पूरी तरह हटा देते हैं। इसमें खास जोर एडेड शुगर यानी उन खाद्यों या डाइट पर दिया जाता है जिनमें ऊपर से शक्कर मिली हुई हो या डाली गई हो और इस तरह के पदार्थों से पूरी तरह किनारा कर लिया जाता है। इन पदार्थों में बाजार के लगभग सभी तरह के नाश्ते, सोडायुक्त ड्रिंक्स या शर्बत और जूस, चिप्स, बिस्किट, प्रोसेस्ड फूड, मिठाई, बेकरी उत्पाद और टोमैटो सॉस तक शामिल हो सकता है। इसे एक तरह से इन पदार्थों का व्रत भी कहा जा सकता है।

कितनी मात्रा है जरूरी?

जाहिर सी बात है कि हमारे भोजन में अतिरिक्त शक्कर का होना बहुत सारी मुश्किलों को बुलावा दे सकता है। सेहत के लिए जरूरत से ज्यादा शक्कर नुकसानदायक ही होती है। शरीर को प्रतिदिन एक निश्चित अनुपात में शक्कर की आवश्यकता होती है। यह इतनी मात्रा होती है जो एक स्वस्थ व्यक्ति के दिनभर के भोजन के स्वाद को बरक़रार रखते हुए आराम से ली जा सकती है लेकिन मुश्किल यह है कि आमतौर पर हम दिनभर में इस मात्रा से कई गुना अधिक का सेवन यूँही कर जाते हैं और हमें पता भी नहीं चलता। सामान्यत: एक स्वस्थ पुरुष के लिए दिनभर में करीब 36 ग्राम (लगभग 8-9 टीस्पून) और एक स्वस्थ महिला के लिए दिनभर में करीब 25 ग्राम (करीब-5-6 टीस्पून) शक्कर काफी होती है और सामान्य डाइट से यह हमें मिल भी जाती है। वहीं एक सामान्य सोडायुक्त कोल्डड्रिंक की छोटी कैन में 8 टीस्पून के करीब शक्कर होती है। यानी महिलाओं के एक दिन के कोटे से भी ज्यादा। और यहीं हम गलती कर जाते हैं।

कहाँ होती है गड़बड़?

हमारी सामान्य दाल-चावल, सब्जी-रोटी वाली डाइट के अलावा रोज खाये जाने वाले फलों से हमें पर्याप्त मात्रा में शक्कर मिल जाती है। मुश्किल को हम आमंत्रण देते हैं ज्यादातर बाजार की चीजें खाकर या पीकर। जब हम चिप्स का एक छोटा पैकेट खाकर खाली कर रहे होते हैं तब हमें पता भी नहीं चलता कि हमने अपने कई दिनों की शक्कर का कोटा एक झटके में शरीर में पहुंचा दिया है और यहीं से शुरू होती है गड़बड़। ज्यादातर एडेड शुगर वाले खाद्य इस तरह का स्वाद और संतुष्टि देते हैं कि हम एक तरह से उनके एडिक्ट हो जाते हैं और कम मात्रा पर रुक नहीं पाते, ज्यादा ही खा जाते हैं। इसे आप शक्कर का नशा या एडिक्शन भी कह सकते हैं। तकलीफ का कारण भी यही बनता है। यहां तक कि छोटे बच्चों में जिनका मेटाबॉलिज्म वयस्कों की तुलना में आमतौर पर अधिक होता है उनके लिए भी यह एडेड शुगर तकलीफ का कारण बनने लगती है।

ये हो सकती हैं मुश्किलें

अगर आप शुगर को केवल डायबिटीज से ही जोड़कर देखते हैं तो सबसे पहले ऐसा सोचना बंद कीजिये। डायबिटीज केवल मीठा खाने से नहीं होती। इसके साथ और भी कई स्थितियां जुड़ी होती हैं। इसके अलावा खून में शक्कर का स्तर भी केवल मिठाई खाने से नहीं बढ़ता। बटर, चीज, नमकीन और गरिष्ठ भोजन आदि भी शुगर बढ़ा सकते हैं। शुगर का बढ़ा स्तर शरीर के हर अंग के काम करने की क्षमता पर बुरा असर डाल सकता है। मोटापा, डायबिटीज तो इसके बहुत आम साइड इफेक्ट्स हैं, इससे त्वचा पर झुर्रियां आना या रैशेज और संक्रमण होने से लेकर कैंसर तक की आशंका कई गुना बढ़ सकती है। यानी खून में शक्कर का असंतुलित स्तर आपके जीवन को भी खतरे में डाल सकता है।

शुगर डिटॉक्स का फायदा

इस प्रक्रिया का कोई एक नियम नहीं है लेकिन आप अपने वजन, जीवनशैली और शारीरिक स्थितियों के हिसाब से इसे लागू कर सकते हैं। उदाहरण के लिए एक सामान्य वजन, कद-काठी और स्वास्थ्य वाला व्यक्ति, दिनभर में संतुलित भोजन के साथ फिजिकली एक्टिव भी रहता है तो उसे शुगर डिटॉक्स की जरूरत नहीं है। वह अपने इसी रूटीन के साथ स्वस्थ रह सकता है और कभी कभार संतुलित मात्रा में जंक फूड, मिठाई, चॉकलेट आदि भी खा सकता है। लेकिन यदि कोई व्यक्ति डायबिटीज, प्री-डायबिटीज, हाई-ब्लडप्रेशर, मोटापा या अन्य किसी समस्या से ग्रसित है तो शुगर डिटॉक्स आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। इससे ब्लड शुगर को कंट्रोल करने, वजन को संतुलित रखने और कई सारी बीमारियों से बचाव करने की क्षमता कई गुना बढ़ सकती है। इतना ही नहीं आपकी इम्युनिटी भी इससे स्ट्रांग बन सकती है और पहले की तुलना में आपको जोड़ों में तकलीफ, त्वचा संबंधी संक्रमण आदि की आशंका भी काफी कम हो सकती है।

केबीसी में कोरिया जिले से संबंधित दो बार पूछा गया प्रश्न

दोनों बार नहीं दे पाए प्रतिभागी जवाब!

» केबीसी में पूछा गया 3 लाख 20 हजार के लिए दसवां सवाल,2022 में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और सक्ति किस राज्य में बने हुए नए जिले हैं?

» छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले को लेकर केबीसी में यह था दूसरा सवाल,पहले चीता अब एमसीबी जिले को लेकर रहा सवाल।

» केबीसी मे पूछे जा रहे छत्तीसगढ़ के प्रश्न,छत्तीसगढ़ बना रहा देश मे अलग पहचान।

» केबीसी में पहले भी कोरिया जिले का था प्रश्न,अब कोरिया से विभाजित हो बने नवीन जिला एमसीबी का आया प्रश्न।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 28 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कौन बनेगा करोड़पति के 14 वें सीजन में 27 सितंबर मंगलवार को प्रतिभागी रानी पतिदर से दसवां सवाल 3 लाख 20 हजार का होस्ट व सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के द्वारा छत्तीसगढ़ के विभाजित कोरिया जिले से संबंधित पूछा गया, जिसका जवाब प्रतिभागी नहीं दे पाई, इस जवाब को देने के लिए उन्होंने 50-50 लाइफ लाइन का भी प्रयोग किया, इसके बावजूद उन्होंने गलत जवाब दिया और 10 हजार ही जीत पाई, केबीसी का दसवां सवाल था रानी पतिदर के लिए की 2022 में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और सक्ति किस राज्य में बने हुए नए जिले हैं?
जिसका विकल्प था
(ए) हरियाणा (बी) छत्तीसगढ़ (सी) उत्तर प्रदेश (डी) झारखंड
वहीं इस सवाल का सही जवाब छत्तीसगढ़ था और प्रतिभागी सही जवाब नहीं दे सकीं।

पहले भी पूछा जा चुका है कोरिया जिले से संबंधित प्रश्न

कौन बनेगा करोड़पति सीजन 14 वें में बुधवार 14 सितम्बर को प्रसारित एपिसोड में जब 75 लाख के प्रश्न पर कोरिया जिले से सबंधित प्रश्न आया तो कोरियावासी जहां आश्चर्यचकित रहे, वहीं अधिकांश को इस प्रश्न का जवाब भी मालूम था। दरअसल केबीसी की हॉट सीट पर आज उत्तरप्रदेश के वेल्डिंग का कार्य करने वाले ऋषभ केबीसी के होस्ट व सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के सामने बैठकर कर उनके सवालों का बखूबी जवाब देकर 50 लाख रूपए जीत चुके थे। 75 लाख रूपए के 15 वें प्रश्न में अमिताभ बच्चन ने ऋषभ से पूछा- माना जाता है कि 1947 में, कोरिया के महाराजा द्वारा भारत में किस पशु प्रजाति के अंतिम ज्ञात जीवित सदस्यों को गोली मार दी गई थी और इस सवाल का जवाब था चीता। माना जाता है कि कोरिया के राजा ने ही देश के अंतिम चीते का शिकार किया था और जब यह प्रश्न केबीसी में पूछा गया तो इसकी पुष्टि भी हुई और यह माना गया कि अंतिम चीते के शिकार को लेकर कोरिया रियासत के राजा का नाम इतिहास में दर्ज है।

देश के पटल में नव गठित जिले मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर का नाम आना बेहद ही गौरवान्वित करने वाला पल

स्थनीय विधायक विनय जयसवाल ने सोशल मिडिया पर पोस्ट कर कहा की देश के पटल में नव गठित जिले मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर का नाम आना बेहद ही गौरवान्वित करने वाला पल है। एक विधायक के रूप में जब मैंने शपथ लिया था तो मेरा पहला वक्तव्य था कि मनेंद्रगढ़ चिरमिरी को एक नया आयाम देना है आज नव गठित जिले से संबंधित प्रश्न कौन बनेगा करोड़पति में अमिताभ बच्चन जी द्वारा पूछा गया, पूरे देश के सामने जिले का नाम आना एक जनप्रतिनिधि के रूप में मुझे बेहद गौरवान्वित एवं भावुक करने वाला पल है।

एक माह में दो बार पूछा गया छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले से संबंधित सवाल

केबीसी के 14 वें सीजन में यह एक माह में दूसरा अवसर था जब छत्तीसगढ़ से सम्बंधित सवाल पूछे गए वहीं दोनों ही सवाल अविभाजित कोरिया जिले व विभाजित कोरिया जिले को लेकर पूछे गए जो जिले वासियों के लिए भी उत्सुकता का विषय रह।

छत्तीसगढ़ से पूछे सवालों का प्रतिभागी नहीं दे पाए जवाब

छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित पूछे गए दोनों ही सवालों का जवाब प्रतिभागी नहीं दे सके और एक प्रतिभागी तो इसके कारण 10 हजार रुपये ही जीत सकीं। मध्यप्रदेश में पटवारी के पद पर पदस्थ महिला प्रतिभागी से जब एमसीबी जिले से सम्बंधित सवाल पूछा गया तो उन्होंने गलत जवाब दिया और कुल 10 हजार रुपये ही वह जीत सकीं वहीं जब अंतिम चीते को लेकर और उसके शिकार को लेकर प्रश्न पूछा गया था तब भी प्रतिभागी जवाब नहीं दे पाए थे।

छत्तीसगढ़ के प्रश्न ने केबीसी के प्रतिभागियों को करोड़पति बनने से रोका

केबीसी में दो बार छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले से संबंधित प्रश्न पूछा गया, जिस प्रश्न का जवाब प्रतिभागी नहीं दे पाए और करोड़पति बनने का सपना अधूरा ही छोड़ गए, यदि यह 2 सवालों का जवाब सही दे देते तो शायद यह करोड़पति बन सकते थे, पर वही छत्तीसगढ़ से पूछे गए सवालों ने कहीं ना कहीं केवीसी को भी लाभ पहुंचाया और लाखों रुपए केबीसी के इस सवाल से बच गए।

शिक्षक नशे में धुत पहुंचे स्कूल,सोशल मीडिया में वीडियो वायरल,शराबी शिक्षक सस्पेंड

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 28 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

शराब के नशे में धुत्त होकर स्कूल पहुँचने वाला शराबी टीचर को डीईओ ने निलम्बित कर दिया है शराब में टुन्न होकर जब यह मास्टर स्कूल आया तो ग्रामीणों ने इसका वीडियो बना लिया।

जिला कोरिया शिक्षा अधिकारी के मुताबिक ग्रामवासी ग्राम लोहारी विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ जिला मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर (छग) के द्वारा फोन पर दी गई शिकायत पर शासकीय प्राथमिक शाला लोहारी का तत्काल निरीक्षण करने हेतु विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, मनेन्द्रगढ़ जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा संकुल प्राचार्य संकुल स्त्रोत केन्द्र बरबसपुर एवं संकुल समन्वयक, संकुल केन्द्र बरबसपुर विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छग) को निर्देशित किया गया। निरीक्षणकर्ता द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर शिकायत की प्रथम दृष्ट्या पुष्टि हुई है। खटानन्द यादव, सहायक शिक्षक (एलबी) शा0 प्राथमिक शाला लोहारी विद्यालय में शराब के नशे में पाये गये, इनका यह कृत्य छग सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 एवं 9 के सर्वथा विपरीत होने के कारण छग सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 के अनुसार खटानन्द यादव सहायक शिक्षक (एलबी) शा0 प्राथमिक शाला लोहारी विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी मनेन्द्रगढ़ जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छग) में नियत किया जाता है। इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

अनफिट बस एवं क्षमता से अधिक छात्रों को बैठाने पर स्कूल बस पर की गई कार्रवाई

-संवाददाता-

सूरजपुर 28 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

स्कूली बच्चों के सुरक्षा के मद्देनजर कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा के निर्देशानुसार आज जिला परिवहन अधिकारी ने विश्रामपुर कार्मेल स्कूल द्वारा संचालित निरीक्षण किया । जांच के दौरान बस अनफिट पाई गई है। स्कूल बस में क्षमता से अधिक छात्रों का परिवहन करते पाया गया। बिश्रामपुर थाने में जब्त किया गया। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि स्कूलों में संचालित बसों का निरंतर निरीक्षण किया जाएगा एवं जो बस अनफिट पाई जाती है एवं क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाए पाए जाने पर वाहन चालकों पर सख्त कार्रवाई किया जाएगा।

दुकान की पंजीयन कराने को लेकर सीएमओ ने व्यापारियों से की अपील

-उपेश सिन्हा-

कुसमी 28 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

नगर पंचायत कुसमी क्षेत्र में अंतर्गत समस्त व्यापारी व्यवसायियों एवं दुकान संचालकों से मुख्य नगरपालिका अधिकारी नारायण साहू ने अपील किया है कि दुकान एवं स्थापना अधिनियम 1958 एवं दुकान स्थापना नियम 1959 के तहत प्रत्येक दुकानदार एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को संचालित करने के लिए नगर पंचायत के राजस्व शाखा से संपर्क कर गुमास्ता पंजीयन कराना अनिवार्य होगा, दुकानदार व व्यवसाय करने वाले निर्धारित प्रपत्र में नगर पंचायत में अपना आवेदन प्रस्तुत कर पंजीयन कराना सुनिश्चित करें, दुकानदार व व्यवसाई जिन्होंने 25/6/ 2014 के पूर्व पंजीयन प्राप्त कर लिया है छत्तीसगढ़ शासन के अधिसूचना दिनांक 25 जून 2019 नियमों के संशोधन के पश्चात अनिवार्य रूप से पंजीयन प्राप्त करेंगे, गुमास्ता लाइसेंस के अभाव में दुकान संचालन की अनुमति नहीं होगी तथा सुसंगत श्रम कानूनों के तहत कार्यवाही प्रस्तावित किया जाएगा जिसकी समस्त जवाबदेही दुकान संचालकों की होगी, नगर पंचायत द्वारा मुनादी कराकर व्यवसायियों एवं दुकानदारों को सूचना दी जा रही है ।

दशगात्र कार्यक्रम से पेंड्रा लौट रही टाटा मैजिक गिरा पुल से नीचे

-संवाददाता-

कोरबा 28 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जिले के पसान थाना क्षेत्र में बुधवार को हुए सड़क हादसे में करीब 15 लोग घायल हो गए। इनमें से 05 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। मैजिक में 25 लोग सवार थे। हादसे के बाद डायल 112 को खबर की गई। फिलहाल घायलों का इलाज पसान के शासकीय अस्पताल में जारी है।पसान थाने में पदस्थ उप निरीक्षक अजय दान लाकड़ा ने बताया कि पेंड्रा से 25 लोग पसान गांव में दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होकर वापस लौट रहे थे, वाहन की रफ्तार बहुत तेज थी,इसलिए ड्राइवर उस पर नियंत्रण नहीं रख पाया और गाड़ी पुल से नीचे गिर गई। पसान से लगभग 3 किलोमीटर दूर एक्सीडेंट हुआ । हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। राहगीरों ने पुलिस को सूचना देने पर डायल 112 के कर्मचारी आरक्षक सेतराम और ड्राइवर कौशल दास ने घायलों को पसान स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। उप निरीक्षक अजय दान लाकड़ा ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना और दुर्घटना को लेकर उनके बयान दर्ज किए। सड़क हादसे में घायल हुए लोगों में रामून बाई (50 वर्ष) दोसरिया पसान निवासी, भगवती बाई (52 वर्ष) पेंड्रा निवासी, शकुंत कुमार (48 वर्ष) पेंड्रा निवासी, अनंत सिंह (38 वर्ष) पेंड्रा निवासी, उर्मिला बाई (36 वर्ष) पेंड्रा निवासी, जयराम ठाकरे (30 वर्ष) पेंड्रा निवासी, तीज कुंवर (60 वर्ष) पेंड्रा, गीता बाई (45 वर्ष), मंगली बाई (65 वर्ष) शामिल हैं।

सुरक्षाकर्मियों को चकमा देकर भाग निकले दो युवकों को दीपका पुलिस ने पकड़ा

-संवाददाता-

कोरबा 28 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

एसईसीएल की गेवरा खदान में 4 माह पहले चोरी करने घुसे दो युवकों पर सुरक्षाकर्मियों की नजर पड़ गई। दोनों को दौड़ाने पर पकड़े जाने के डर से खदान से चोरी की हुई डोजर का राडनुमा स्टील पिस्टन व प्रयुक्त बाइक क्रमांक सीजी 12 एए 7404 को छोड़कर भाग निकले। 28 मई को हुए चोरी के असफल प्रयास की रिपोर्ट प्रार्थी एसईसीएल कर्मी धनाराम सूर्यवंशी ने दीपका थाना में दर्ज कराया था। मामले में 447, 379 भादवि के तहत एफआईआर पंजीबद्ध कर पुलिस चोरों की तलाश में जुटी थी। बाइक नंबर के आधार पर पुलिस ने वाहन मालिक को दीपका थाना बुलाया। पूछताछ में बताया कि घटना दिनांक को उसकी बाइक संतोष कुमार केंवट (21) पिता फूलसाय निवासी दर्राखांचा हरदीबाजार और शिवम दाम महंत (20) पिता तिजाउ दास महंत निवासी अस्पताल रोड हरदीबाजार मांगकर ले गए थे। मुखबिर से सूचना मिली कि संतोष व शिवम हरदीबाजार स्थित बस स्टैंड के एक होटल में बैठे हैं द्बपुलिस ने दबिश देकर दोनों को पकड़ा। पूछताछ में दोनों ने खदान में चोरी की नीयत से प्रवेश करना स्वीकार किया। मामले में पुलिस ने आगे की कार्रवाई की है।

24 आरक्षक पदोन्नत होकर बने प्रधान आरक्षक

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने फीता लगाकर दी पदोन्नति

-संवाददाता-

सूरजपुर 28 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जिले में कार्यरत् 24 आरक्षक पदोन्नत होकर प्रधान आरक्षक बने है। जिनमें आरक्षक बीरसाय लकड़ा, दरश देवांगन, विनोद परीड़ा, सुशील मिश्रा, हरविन्दर सिंह, दिलीप सिंह, सुनील विश्वकर्मा, महेन्द्र सिंह, रविशंकर राजभानू, अजीत प्रताप सिंह, जवाहर लाल, रोर्बट तिग्गा, शत्रुधन पोर्ते, शिवकुमार राम, रजिन्दर कुमार, जगमंडल लकड़ा, परशुराम पैंकरा, परमेश्वर राम पैंका, भोजराज राम, शैलेश सिंह, दिलेश्वर सिंह, सुखनंदन सिंह श्याम, बंधुराम सारथी व महिला आरक्षक बालकुमारी मिंज प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नत हुए। बुधवार, 28 सितम्बर 2022 को पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू ने फीता लगाकर इन्हें प्रधान आरक्षक पद पर पदोन्नति प्रदान की।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने पदोन्नत प्रधान आरक्षकों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और उन्हें कहा कि सेवा के अगले पड़ाव में जिम्मेदारीपूर्वक, पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करें। पद बढ़ने के साथ ही जिम्मेदारी भी बड़ी हो जाती है, सजगता से आमजनता की सेवा करें, अवैध गतिविधियों के खिलाफ मुस्तैद रहकर कार्यवाही करें। इस दौरान कार्यालय अधीक्षक संतोष वर्मा, स्टेनो अखिलेष सिंह, पंकज नेमा, सुलेमान लकड़ा, अग्रिमा मिश्रा व एएसआई विराट विषी मौजूद रहे।

क्या सिर्फ रावण दहन के लिए सत्ता पक्ष ने स्व.रामचंद्र सिंहदेव का नाम

राजनीति के लिए नई समिति बना झोंक दिया ?

» कोरिया में राजनीति का शिकार हुआ रावण दहन,कई वर्षो से रावण दहन करने वाली समिति को नही मिली अनुमति।
» सत्ता पक्ष की दखलंदाजी के बाद प्रशासन ने टेके घुटने,नई समिति को मौका।
» चरचा में भी फंसा पेंच,कालरी प्रबंधन ने स्टेडियम में आयोजन पर लगाई रोक।
» संसदीय सचिव व स्थानीय विधायक की हो रही जमकर किरकिरी।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 28 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
देश में लंबे समय से मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के नाम पर राजनीति होती थी, जिसे लोगो ने काफी करीब से देखा सुना, लेकिन कोरिया जिला मुख्यालय में इस बार अहंकार के प्रतीक रावण को लेकर बहुत ही गंदी राजनीति देखने को मिल रही है, यहां प्रदेश में सत्तारूढ कांग्रेस समर्थित विधायक व संसदीय सचिव की दखलंदाजी के बाद पिछले 10-12 वर्षो से रावण दहन करने वाली समिति को इस बार रावण दहन की अनुमति नही दी गई। सत्ता पक्ष ने पूर्व वित्त मंत्री स्व. रामचंद्र सिंहदेव के नाम पर एक नई समिति बना ली और सत्ता के दबाव में प्रशासन ने उनके सामने अपने घुटने टेक कर नई समिति को रावण दहन करने की अनुमति प्रदान कर दी है। काफी उठापटक के बाद अंततः पुरानी समिति ने अपना पैर पीछे कर लिया लेकिन उसके बाद भी सोशल मीडिया में रावण दहन को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई है। तो वहीं शिवपुर चरचा नगरीय निकाय क्षेत्र में भी रावण दहन को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हुई जिसके बाद कालरी प्रबंधन ने अपने स्टेडियम में रावण दहन सहित अन्य आयोजन पर ही प्रतिबंध लगा दिय है। उक्त पूरे मामले में संसदीय सचिव श्रीमती अंबिका सिंहदेव की जमकर किरकिरी हो रही है। धार्मिक त्यौहार में इस प्रकार की गंदी राजनीति पहले कभी नही देखी गई यह चर्चा अब आम नागरिकों की जुबान पर है।

कोरिया सर्व विकास समिति को नही दी गई अनुमति

उक्त पूरे मामले में बताया जाता है कि रामानुज मिनी स्टेडियम में पिछले 10-12 वर्षो से कोरिया सर्व विकास समिति के द्वारा रावण दहन का कार्यक्रम दशहरा पर्व के दिन किया जा रहा था, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे थे। कोरोना के कारण पिछले दो वर्ष से उक्त आयोजन नही किया गया था। इस वर्ष सब कुछ सामान्य होने पर समिति द्वारा बाहर से कारीगरों को बुलाकर रावण पुतला का निर्माण मिनी स्टेडियम में शुरू किया गया एवं आयोजन की अनुमति हेतु अनुविभागीय अधिकारी के यहां आवेदन प्रस्तुत किया गया। लेकिन इसी बीच रावण दहन कार्यक्रम पर संसदीय सचिव अंबिका सिंहदेव समेत उनके समर्थको की नहर पड़ गई और उन्होने पूर्व वित्त मंत्री डॉ.रामचंद्र सिंहदेव के नाम पर आनन-फानन में एक समिति बनाई और अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के यहां इस वर्ष खुद की समिति के माध्यम से रावण दहन करने की अनुमति मांग ली। जिसके बाद मामला दिलचस्प हो गया। सत्ता पक्ष एवं पूर्व की समिति द्वारा एक ही स्थल पर रावण दहन करने की अनुमति मांगने के बाद प्रशासन के लिए भी अजीबो गरीब स्थिति निर्मित हो गई। जिसके बाद प्रशासन एवं दोनो समितियों के मध्य कई दौर की बैठको के बाद सत्ता पक्ष द्वारा बनाई गई समिति को अनुविभागीय अधिकारी द्वारा रावण दहन करने की अनुमति दे दी गई है। जिसके बाद यह तय हो गया है कि मिनी स्टेडियम बैकुंठपुर में सत्ता पक्ष द्वारा इस वर्ष रावण दहन समेत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

सोशल मीडिया में छाया है रावण दहन का मुद्दा

सत्ता पक्ष द्वारा रावण दहन कार्यक्रम में अड़ंगा के बाद उन्हे प्रषासन द्वारा अनुमति तो दे दी गई लेकिन इससे सत्ता पक्ष की किरकिरी भी जमकर हो रही है। रावण दहन को लेकर पुरानी व नई समिति के सदस्यों,गणमान्य नागरिकों व प्रषासनिक अधिकारियों के बीच अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में भी बैठक रखी गई थी जहां पर दोनों पक्षों के बीच यह बात रखी गई कि पुरानी समिति द्वारा रावण पुतला के निर्माण में अभी तक जो राषि खर्च कर दी गई है उसे नई समिति द्वारा पुरानी समिति को दी जाएगी। समझौते के तहत मंगलवार को पुरानी समिति को लागत राशि का भुगतान तो कर दिया गया लेकिन इसी बीच भुगतान का स्क्रीन शाट एक सोषल मीडिया मे वायरल कर दिया गया जिसके बाद एक सोशल मीडिया ग्रुप में जमकर विवाद देखने को मिला। यही नही दूसरे दिन सोषल मीडिया में ही पुरानी समिति के सदस्य व भाजपा नेता देवेंद्र तिवारी ने भी खुले तौर पर स्थानीय विधायक व संसदीय सचिव अंबिका सिंहदेव पर भी गंभीर आरोप लगाया। उन्होने लिखा कि बैकुंठपुर के इतिहास में किसी भी जनप्रतिनिधि की इतनी अलोकप्रियता नही रही जितना वर्तमान विधायक की है। पर्व,उत्सव मे दबाव के राजनीति की परंपरा इन्ही के समय में शुरू हुई आज प्रशासन भी बेबस है। उन्होने कहा कि जल्द ही सत्ता का अहंकार चूर होगा। श्री तिवारी के उक्त पोस्ट के बाद सत्ता पक्ष के खिलाफ जमकर आक्रोष देखने का मिल रहा है। बैकुंठपुर समेत आसपास क्षेत्र में इस विवाद को देखते हुए जब लोग मजे तो ले ही रहे साथ ही सत्ता पक्ष व स्थानीय विधायक की जमकर किरकिरी भी हो रही है। लोगो का कहना है कि रावण का दहन अहंकार के प्रतीक के रूप में किया जाता है लेकिन सत्ता के अहंकार में रावण का दहन किया जाएगा यह अजीबो गरीब स्थिति इससे पहले कभी निर्मित नही हुई। लोग इसे गलत राजनीतिक परंपरा की शूरूआत मान रहे हैं।

शिवपुर-चरचा में भी विवाद,प्रबंधन में लगाई रोक

जिला मुख्यालय में रावण दहन कार्यक्रम में विवाद की आग षिवपुर चरचा क्षेत्र में भी देखने को मिल रही है। बताया जाता है कि यहां श्रमवीर स्टेडियम में रावण दहन का कार्यक्रम प्रति वर्ष आयोजित किया जाता था, इस वर्ष भी यहां पुरानी समिति के द्वारा रावण दहन करने की अनुमति कालरी प्रबंधन से ली गई थी जिसके बाद हस्तक्षेप करते हुए यहां भी सत्ता पक्ष से जुड़ी नपा अध्यक्ष लालमुनी यादव ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के समक्ष आवेदन देकर रावण दहन करने की अनुमति मांगी। जिसके बाद स्थानीय विधायक के दबाव में प्रषासन ने शिवपुर चरचा नपा की अध्यक्ष को रावण दहन की अनुमति दे दी। काफी उठापठक के बाद पुरानी समिति ने कालरी प्रबंधन के समक्ष जाकर इस बात की आपत्ति दर्ज कराई तो बीते मंगलवार को विवाद को देखते हुए कालरी प्रबंधन ने अपने अधिपत्य के श्रमवीर स्टेडियम में रावण दहन व अन्य कार्यक्रम पर रोक लगा दी है। जिसके बाद शिवपुर चरचा निकाय में रावण दहन कार्यक्रम पर ही संषय की स्थिति निर्मित हो गई है। यहां भी रावण दहन कार्यक्रम को लेकर सोशल मीडिया में जमकर भड़ास निकाली जा रही है। इस निकाय में कांग्रेस समर्थित नेता व पूर्व नपाध्यक्ष अजीत लकड़ा व वर्तमान नपाध्यक्ष पति भूपेंद्र यादव के बीच सोषल मीडिया में जंग देखी जा रही है। दोनो एक दूसरे पर सोषल मीडिया के माध्यम से आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। कुल मिलाकर इस बार बैकुंठपुर व षिवपुर चरचा मे अहंकार के प्रतीक रावण दहन का कार्यक्रम सत्ता पक्ष की दखलंदाजी के कारण विवाद का रूप ले लिया है। जिसे लेकर सत्ता पक्ष की किरकिरी हो रही है। संभवतः प्रदेश में यह पहला स्थान होगा जहां अहंकार में डूबे सत्ता पक्ष को रावण दहन कार्यक्रम में इस प्रकार दखलंदाजी करते देखा जा रहा है। बहरहाल सत्ता पक्ष को इसका फायदा होगा या नुकसान यह तो भविष्य के गर्त में है लेकिन लोग इस प्रकार धार्मिक आयोजन मे विवाद के लिए सत्ता पक्ष को जमकर कोस रहे है।

सरपंच के पहल से आदर्श चौक की बढ़ी सुंदरता

पटना में चौपाटी व फौवारा का हुआ उद्घाटन

» ग्राम पंचायत पटना ने आदर्श चौक में कराया सौंदर्यीकरण,फौवारा सहित रेलिंग चेकर टाइल्स से सजाया गया चौक।
» ग्राम पंचायत की सरपंच ने चुनाव पूर्व की थी घोषणा,आदर्श चौक को चौपाटी में विकसित करने का था वादा।
» फौवारे सहित चौपाटी विकसित होने से ब गई आदर्श चौक की सुंदरता, फीता काटकर सरपंच ने सौंपा ग्रामवासियों को।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 28 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
कोरिया जिले का सबसे आय वाला ग्राम पंचायत पटना में पंचायत प्रतिनिधियों के द्वारा क्षेत्र का विकास किया जा रहा है इसी विकास के तहत पटना का आदर्श चौक पर चौपाटी व फौवारे का निर्माण किया गया, जिससे इस चौक की सुंदरता और दुगनी हो गई, यह काम किसी और ने नहीं पटना ग्राम पंचायत की सरपंच गयात्री सिंह ने कराकर पटना को एक नई सौगात दी है।
कोरिया जिले के राष्ट्रीय राज्यमार्ग 43 पर स्थित ग्राम पंचायत पटना लगातार विकास की गाथा लिख रहा है और यहां की महिला सरपंच लगातार ग्राम विकास के कार्यों को पूरा करा रहीं हैं और जिससे ग्रामवासियों को लाभ भी मिल रहा है और ग्राम में सभी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति भी हो रही है। ताजा उदाहरण है आदर्श चौक को चौपाटी के रूप में विकसित करने का और सौंदर्यीकरण कर चौक की सुंदरता बढ़ाने का जिसका काम भी पूरा कर लिया गया है और चौपाटी सहित फौवारे को आमजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। इसे बनाने के लिए 3 लाख 50 हजार खर्च किया गया जिसके बाद आदर्श चौकी सुंदरता में चार चांद लग गए।

आदर्श चौक की सुंदरता बढ़ाने वर्तमान सरपंच ने चुनाव पूर्व वादा किया पूरा

बता दें कि आदर्श चौक पटना में चौपाटी विकसित कर आदर्श चौक की सुंदरता बढ़ाने वर्तमान सरपंच ने चुनाव पूर्व वादा किया था और उन्होंने अपना वादा पूरा करते हुए आदर्श चौक को चौपाटी के रूप में विकसित किया और फौवारा लगाकर चौक की सुंदरता में भी वृद्धि किया। आदर्श चौक रास्ट्रीय राज्यमार्ग पर स्थित चौक है और अब आदर्श चौक की सुंदरता देखते ही बन रही है। आदर्श चौक की सुंदरता को लेकर आदर्श चौक के ही वार्ड पंच भी काफी सक्रिय रहीं वहीं उन्होंने लगातार सरपंच से उनके वादे अनुरूप आदर्श चौक की सुंदरता को लेकर चौपाटी निर्माण को लेकर प्रेरित किया जिसके फलस्वरूप आदर्श चौक का कायाकल्प एक तरह से संभव हो सका।

एक अन्य जगह चौपाटी विकसित करने को लेकर विचार चल रहा

सौंदर्यीकरण से आदर्श चौक निवासी साथ ही ग्राम पटना के निवासी काफी उत्साहित नजर आए और ग्राम स्तर पर इस तरह के प्रयास की सराहना करते नजर आए। कुल मिलाकर सरपंच ने ग्राम में विकास की एक नई गाथा लिखने का काम किया और ग्राम की सुंदरता बढ़ाने का काम किया वहीं इस संबंध में स्वयं सरपंच का यह कहना है कि अभी ग्राम में ही एक अन्य जगह चौपाटी विकसित करने को लेकर विचार चल रहा है और जल्द ही उसे विकसित करने का काम किया जाएगा जो बाजार के अंदर स्थापित होगा वहीं उन्होंने यह भी कहा कि ग्राम की सुंदरता के लिए और भी काम किये जायेंगे और इसके लिए ग्रामवासियों से भी उनकी राय लेकर इस दिशा में काम किया जाएगा।

पुलिस व वन अमले पर हमले मामले में 2 विधि से संघर्षरत बालक सहित 10 गिरफ्तार

नहीं बख्शे जायेंगे आरोपी,सरगर्मी से की जा रही है पतासाजी

-संवाददाता-
सूरजपुर 28 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
बीते 25.09.22 को वन रक्षक बिहारपुर संजय देवांगन के द्वारा दिए गए शिकायत पत्र की मौका जांच करने थाना प्रभारी चांदनी बसंत खलखो पुलिस व वन अमले के साथ ग्राम ठाढ़पाथर पहुंचे जहां रामप्रकाश कोल सहित करीब 25-30 व्यक्ति मौजूद थे। वन भूमि पर अवैध रूप से कब्जा नहीं करने के संबंधी समझाईश देने के दौरान सुदर्शन नाई से शिवबालक व हीरामति कोल विवाद करते हुए डण्डा व टांगी से लैस होकर उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिए झगड़ा को देखते हुए थाना प्रभारी सहित उनकी टीम के द्वारा बीच-बचाव किया गया इसी दरम्यिान रामप्रसाद व शिवबालक व अन्य 18-20 व्यक्ति जो पूर्व से ही लाठी डण्डा, टांगी व भाला से लैस थे पुलिस व वन अमले पर हमला कर प्राणघातक चोट पहुंचाए, वन विभाग के शासकीय वाहन के शीश को भी तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिए। निरीक्षक बसंत खलखो की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्र. 116/22 धारा 147, 148, 149, 294, 506, 324, 307, 186, 332, 353, 427 भादवि व 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू ने घटना में शामिल आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी करने एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी के नेतृत्व में थाना चांदनी की पुलिस टीम को लगाया। बीते दिन पुलिस टीम ने घटना को अंजाम देने वाले आरोपी (1) अमित कोल पिता रामश्री कोल उम्र 23 वर्ष (2) सुलेन्दर कोल पिता शिवबाल कोल उम्र 19 वर्ष, (3) रामकेश कोल पिताराममिलन उम्र 28 वर्ष, (4) हीरामति कोल पति शिवबालक कोल उम्र 50 वर्ष (5) शशिमति कोल पति मानिकचन्द्र कोल उम्र 35 वर्ष (6) सोनमति कोल पति सुलेन्दर कोल उम्र 19 वर्ष निवासी ठाढ़पाथर, थाना चांदनी को घेराबंदी कर पकड़ा तो वहीं बुधवार को आरोपी संतराम कोल पिता ड्राइवर कोल उम्र 35 वर्ष, छोटू कोलर्ी पता हरि कोल उम्र 19 वर्ष तथा 2 विधि से संघर्षरत बालक को पकड़ा गया। आरोपियों के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त डण्डा व भाला जप्त कर गिरफ्तार किया गया। मामले में फरार अन्य आरोपियों की पतासाजी सरगर्मी से की जा रही है।

कोरबा पुलिस ने हमर बेटी हमर मान कार्यक्रम का किया आयोजन

-संवाददाता-
कोरबा 28 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
पुलिस ने विद्युत गृह सीएसईबी दर्री के स्कूल में हमर बेटी हमर मान कार्यक्रम का किया आयोजन जिसमे बड़ी संख्या में विद्यालय के छात्र एवं शिक्षकगण उपस्थिति रहे। इसमें छात्राओं को उनकी सुरक्षा के संबंध में प्रावधानों, अभिव्यक्ति, डायल 112 और पास्को तथा अन्य कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर जागरूक किया गया। बेटियों के सम्मान और मान को प्राथमिकता देने की शपथ बालको को दिलाई गई।

कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तर के जरिए सीधे संवाद करके उनकी शंकाओं का समाधान भी किया गया। सउनि अनिता खेस, ललित जयसवाल,आरक्षक रामेश्वरी, ओमप्रकाश, गजेंद्र रजवाड़े उपस्थित रहे।सभी बालिकाओं ने राज्य शासन और पुलिस अधीक्षक कोरबा के इस पहल की पूरी पूरी प्रशंसा की। स्कूल की प्राचार्य श्रीमती गीता शर्मा ने आभार प्रदर्शन में पुलिस की इस पहले को बेहद सार्थक बताते हुए आगे भी ऐसे कार्यक्रम कराए जाने का अनुरोध किया है।

राकेश का आगे पढ़ने का सपना हुआ पूरा

-संवाददाता-
कोरबा 28 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
कलेक्टर संजीव झा ने कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित जन चौपाल में जिले वासियों की समस्याओं और सुझावों को विस्तार से सुना। साथ ही उनके त्वरित निदान के लिए उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किये।

आयोजित जन चौपाल में 111 लोगों ने कलेक्टर को अपनी समस्याओं-सुझावों से अवगत कराया। कलेक्टर श्री झा की पहल से मेधावी छात्र राकेश कुमार का दाखिला शासकीय पी.जी. कॉलेज कोरबा में हो गया। आर्थिक समस्या से जूझ रहे राकेश की कॉलेज में एडमिशन हो जाने से उनकी आगे पढ़ाई करने की इच्छा पूरी हो गयी है। राकेश अब कॉलेज फीस की चिंता किये बगैर आसानी से अपनी पढ़ाई पूरी कर पायेगा। दरअसल जन चौपाल में जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र के गांव कछार निवासी राकेश कुमार ने 12वी पास होने के उपरांत अपनी आगे की पढ़ाई पूरी करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होने अपनी घर की कमजोर आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए पढ़ाई के लिए जरूरी कॉलेज फीस नही चुका पाने में असमर्थता जताई। साथ ही कोरबा के कॉलेज में एडमिशन कराने के लिए निवेदन किया। कलेक्टर श्री झा ने राकेश के आवेदन पर संवेदनशीलता से संज्ञान लेते हुए तत्काल अधिकारियों को राकेश के मदद के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर के निर्देश उपरांत जन चौपाल के दौरान ही राकेश का एडमिशन कोरबा शहर स्थित शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीएससी गणित प्रथम वर्ष में करा दिया गया। एडमिशन के पश्चात राकेश ने खुशी जताते हुए कलेक्टर श्री झा के प्रति आभार प्रकट किया।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर , जिला -सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मानमती स्व.जगलाल निवासी खलिबा थाना व तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के (पति) स्व. जगलाल आ0 रामनंदन मृत्यु की दिनांक 05/11/2019 को स्थान निवास में हुंई है। आवेदक के मृत्यु उपरांगत मृत्यु का पंजीयन नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा /आपत्ति प्रस्त कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 27/09/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर , जिला -सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बनमेला स्व. हीरा साय निवासी खलिबा थाना व तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के (पिता) हीरा साय आ0 बखाय साय मृत्यु की दिनांक 09/04/2019 को स्थान निवास में हुंई है। आवेदक के मृत्यु उपरांगत मृत्यु का पंजीयन नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा /आपत्ति प्रस्त कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 26/09/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग,खण्ड-बलरामपुर (छ0ग0)

E-mail: eebalram-phe-cg@nic.in

निविदा क्र./63/ले.शा/ज.जी.मि./का.अ./लो.स्वा.यां.वि./2022
बलरामपुर,दिनांक 26/09/2022

ऑन लाईन निविदा आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल प्रदाय योजना के विभिन्न कार्यो के लिए प्रतिशत दर फार्म 'अ' में निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सि. नि. क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)	सि. नि. क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)	सि. नि. क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)
110524	265.90	110533	68.44	110542	115.35
110525	192.87	110534	253.27	110543	230.00
110526	194.97	110535	249.84	110544	77.01
110527	198.77	110536	290.14	110545	133.58
110528	262.13	110537	298.75	110546	186.64
110529	185.86	110538	276.27	110547	150.61
110530	135.93	110539	307.13	110548	69.73
110531	81.43	110540	108.40	110549	239.20
110532	147.36	110541	110.00	110550	222.40

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विवरण यथा धरोहर राशि, बिड वैधता की तिथि, कार्य की अवधि निविदाकार की श्रेणी, एवं कार्यो तथा स्थल संबंधी जानकारी ऑन लाईन ई-प्रोक्युरमेंट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 11/10/2022 से देखी जा सकती है तथा निविदा दिनांक 28/10/2022 तक बिड डाली जा सकती है। निविदा में आगामी संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जावेंगे। अतः निविदाकार ऑन लाईन निविदा प्रक्रिया में सतत संपर्क में रहें। अन्य विवरण कार्यालयीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड बलरामपुर में देखे जा सकते हैं।

जी.नं.-94612/3

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड-बलरामपुर (छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर , जिला -सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0- /ब-121/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मसर्स इस्टेट बिल्डकॉन पार्टनर सुनील कुमार सिन्हा आ0स्व0 जमुना प्रसाद सिन्हा निवासी ग्राम मायापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 मुख्तारनामा आम वास्ते आर्यन गुप्ता आ0 विनोद प्रसाद गुप्ता निवासी कन्या परिसर रोड, पटपरिया अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा द0ग0 के द्वारा अपने सवामित्व एवं आधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 15/2 रकबा 0.368 हे0 मे से रकबा 1400 वर्गफीट भूमि को अनावेदक चम्पा यादव पत्नी हृदय शंकर यादव निवासी डी0सी0रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपये 2,00,000/- में बिक्री करने का यौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है उक्त संबंध में यदि कियी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 12/10/22 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 07/09/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0.) अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, (छ0ग0)

रा.प्र.क्र.../अ-2/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व- साधारण को सूचित किया जाता है । कि आवेदक सत्यवती गुप्ता पत्नी सत्यनारायण, आशा साहू पत्नी संतोष कुमार साहू जाति तेली निवासी ग्राम/नगर मणिपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम लक्ष्मीपुर तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 118/13 रकबा 0.038 हे0 भूमि को कृषि भिन्न,आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन करने के लिए बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 14/10/2022 को मेरे न्यायालय में अथवा अधिक्षक भू-अभिलेख के कार्यलय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 27/09/2022 को मेरेहस्ताक्षर न्यायालीन पदमुद्रा एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर

भारत का स्पेन के खिलाफ पहला हॉकी मैच 13 जनवरी को

नई दिल्ली,28 सितम्बर 2022। अगले साल के शुरू में भारत में होने वाले विश्वकप हॉकी के कार्यक्रम के अनुसार पहले दिन चार मैच खेले जाएंगे। इनमें भारत और स्पेन के अलावा रियो 2016 ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना का सामना दक्षिण अफ्रीका से जबकि विश्व के नंबर एक ऑस्ट्रेलिया का फ्रांस से होगा।

मेजबान भारत पुरुष विश्वकप हॉकी में अपना शुरुआती मैच प्रतियोगिता के पहले दिन 13 जनवरी को अपने से कम रैंकिंग के स्पेन के खिलाफ नवनिर्मित बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, राउरकेला में खेलेगा। विश्व रैंकिंग में पांचवे नंबर पर काबिज तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता भारत को इंग्लैंड (विश्व रैंकिंग छह), स्पेन (विश्व रैंकिंग आठ) और वेल्स (विश्व रैंकिंग 16) के साथ पूल डी में रखा गया है। भारत अपना दूसरा मैच राउरकेला में ही 15 जनवरी को इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगा और इसके बाद वह भुवनेश्वर में 19 जनवरी को वेल्स का सामना करेगा।

अगले साल के शुरू में भारत में होने वाले विश्वकप हॉकी के मंगलवार को जारी कार्यक्रम के अनुसार पहले दिन चार मैच खेले जाएंगे। इनमें भारत और स्पेन के अलावा रियो 2016 ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना का सामना दक्षिण अफ्रीका से जबकि विश्व के नंबर एक ऑस्ट्रेलिया का फ्रांस से होगा। ये दोनों मैच भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद राउरकेला में दो मैच खेले जाएंगे जिसमें पहला मैच इंग्लैंड और वेल्स के बीच होगा जबकि दूसरे मैच में शाम सात बजे से भारत और स्पेन आमने-सामने होंगे।

ओडिशा में ही 2018 में खेले गए विश्व कप में चैंपियन बनने वालद्ध विश्व की नंबर दो टीम बेल्जियम 14 जनवरी को दक्षिण कोरिया के खिलाफ भुवनेश्वर में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसी दिन पूर्व चैंपियन नीदरलैंड का सामना राउरकेला में मलेशिया से होगा। पिछली बार कांस्य पदक जीतने वाला ऑस्ट्रेलिया पूल ए में है जहां उसका सामना अर्जेंटीना, फ्रांस और अफ्रीकी चैंपियन दक्षिण अफ्रीका से होगा।

मौजूदा चैंपियन बेल्जियम को शीर्ष वरीयता दी गई है और उसे पूल बी में 2006 के विजेता जर्मनी, कोरिया और जापान के साथ रखा गया है। बेल्जियम विश्व रैंकिंग में दूसरे जबकि जर्मनी चौथे स्थान पर है। पूल सी में पिछली बार के फाइनलिस्ट नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, मलेशिया और विश्व कप में पदार्पण कर रहे चिली को रखा गया है। नीदरलैंड विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है जबकि मलेशिया अपना नौवां विश्वकप खेल रहा है।

चार विदेशी खिलाड़ियों को ही खेलने की अनुमति मिलेगी आई लीग में

नई दिल्ली,28 सितम्बर 2022। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने आई लीग क्लबों को मैच वाले दिन के लिए एक एशियाई सहित छह विदेशी खिलाड़ियों को टीम में रखने की अनुमति दे दी है लेकिन 29 अक्टूबर से शुरू होने वाले इस सत्र में भी क्लब अंतिम एकादश में केवल चार खिलाड़ियों (मौजूदा 3+1 नियम के अनुरूप) को ही रख पाएंगे। पिछले सत्र में आई लीग क्लबों को छह विदेशी खिलाड़ियों को पंजीकृत करने की अनुमति दी गई थी लेकिन एक एशियाई खिलाड़ी सहित केवल चार खिलाड़ियों को ही मैच में भाग लेने की अनुमति मिली थी।

भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक घरेलू लीग में अधिक विदेशी खिलाड़ियों को रखने के पक्षधर नहीं हैं क्योंकि उनका मानना है कि इससे भारतीय खिलाड़ियों को कम मौके मिलेंगे। एआईएफएफ ने लीग समिति की बैठक के बाद जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा,'' लीग समिति ने मैच के लिए टीम में विदेशी खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाकर छह (पांच खिलाड़ी विश्व के किसी भी भाग से जबकि एक खिलाड़ी एशिया से) कर दी है।'' विज्ञप्ति में कहा गया है,'' लेकिन इन छह खिलाड़ियों में से केवल चार खिलाड़ियों को ही अंतिम एकादश में रखा जा सकता है। इन खिलाड़ियों में तीन विश्व के किसी भी भाग से जबकि एक एशियाई खिलाड़ी शामिल होगा।'

' इसके अनुसार, '' किसी विदेशी खिलाड़ी के स्थानापन्न के रूप में अन्य विदेशी खिलाड़ी या भारतीय खिलाड़ी मैदान पर उतर सकता है। इसी तरह से किसी एशियाई खिलाड़ी के स्थानापन्न के रूप में कोई एशियाई खिलाड़ी या भारतीय खिलाड़ी उतर सकता है।'' बैठक की अध्यक्षता लीग समिति के नवनिर्वाचित प्रमुख लालनघिंग्लोवा हमर ने की, जो कार्यकारी समिति के सदस्य भी हैं। बैठक में महासचिव शाजी प्रभाकरन और उप महासचिव सुनंदो धर ने भी हिस्सा लिया।

विश्व चैंपियन कार्लसन ने नीमैन पर धोखेबाजी का आरोप लगाया

फिनलैंड, 28 सितम्बर 2022। शतरंज विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने साथी ग्रैंडमास्टर हेन्स नीमैन पर उन्होंने जितना स्वीकार किया उससे अधिक धोखेबाजी करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह ऐसे किसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ नहीं खेलेंगे जो इस तरह के गलत काम में लिप्त हो। कार्लसन ने सोमवार देर रात बयान जारी किया जिससे एक हफ्ते पहले वह जूलियस बेयर जेनरेशन कप में इस अमेरिकी के खिलाफ सिर्फ एक चाल के बाद मुकाबले से हट गए थे। इससे पहले नॉर्वे के 31 साल के कार्लसन नीमैन के खिलाफ हैरान करने वाली हार के बाद सेंट लुई में सिंकफील्ड कप से भी हट गए थे।

कार्लसन ने लिखा, ''मेरा मानना है कि नीमैन ने हाल के समय में बहुत अधिक धोखेबाजी की है, जितना उसने सार्वजनिक तौर पर स्वीकार किया है उससे भी अधिक।'' उन्होंने कहा, ''उसकी प्रगति असामान्य रही है और सिंकफील्ड कप में हमारी बाजी के दौरान मुझे यह अहसास हुआ कि वह बिलकुल भी तनाव में नहीं है और यहां तक कि

अहम लम्हों पर खेल पर पूरी तरह से ध्यान भी केंद्रित नहीं कर रहा था। उसने काले मोहरों से खेलते हुए मुझे ऐसे हराया जैसे बहुत कम लोग कर सकते हैं।'' कार्लसन ने कहा, ''इस बाजी से मेरा नजरिया बदल गया।''

नीमैन ने इससे पहले स्वीकार किया था कि उन्होंने 'चेस.कॉम' पर दो बार धोखेबाजी की। एक बार जब वह 12 साल के थे और दूसरी बार जब वह 16 साल के थे। उन्होंने हालांकि मुकाबले के दौरान धोखेबाजी से इनकार किया। कार्लसन ने लिखा,''मेरा मानना है कि शतरंज में धोखा देना एक बड़ी बात है और खेल तथा शतरंज के आयोजकों के लिए एक संभावित खतरा है और उन सभी के लिए जो खेल की पवित्रता की परवाह करते हैं। उन्हें सुरक्षा उपायों और धोखाधड़ी का पता लगाने के तरीकों को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।''

विश्व चैंपियन कार्लसन ने स्पष्ट किया कि वह नीमैन के खिलाफ या धोखा देने वाले किसी अन्य खिलाड़ी के खिलाफ खेलने के इच्छुक नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''हमें धोखेबाजी को लेकर कुछ करना होगा और भविष्य में मैं ऐसे लोगों के खिलाफ नहीं खेलना चाहता जिन्होंने अतीत में लगातार धोखेबाजी की हो क्योंकि नहीं पता कि वे भविष्य में क्या कर सकते हैं।

मोहम्मद शमी ने कोविड -19 के लिए नकारात्मक परीक्षण कराया

नई दिल्ली,28 सितम्बर 2022। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, जो हाल ही में ऑस्ट्रेलिया टी20आई श्रृंखला से चूक गए थे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20आई श्रृंखला से भी बाहर हो गए थे, ने बुधवार को कोविड -19 के लिए नकारात्मक परीक्षण किया। 32 वर्षीय, जो लगभग 10 दिन पहले वायरस से संक्रमित था, ने अपने स्वास्थ्य के बारे में अपडेट देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया।

नकारात्मक, शमी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कोविड -19 परीक्षण रिपोर्ट की एक तस्वीर के साथ लिखा।यह घटनाक्रम बीसीसीआई द्वारा अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार से तिरुवनंतपुरम में शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए उनकी जगह लेने के कुछ घंटों बाद आया है।

बीसीसीआई ने कहा, ÷मोहम्मद शमी अभी तक कोविड-19 से पूरी तरह से उबर नहीं पाए हैं और वह तीन मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने उमेश यादव को शमी की जगह लिया है।÷ एक बयान, पहले दिन में।

शमी, जिन्होंने पिछले साल के टी 20 विश्व कप के बाद से किसी भी टी 20 आई में भारत के लिए नहीं खेला है, उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप के लिए मिश्रण में वापस लाया गया था, जब उन्हें ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलों के लिए चुना गया था।= अनुभवी को अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए स्टैंड-बाय के रूप में भी नामित किया गया है।

ईरानी कप 2022

हनुमा विहारी शेष भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे

नई दिल्ली,28 सितम्बर 2022। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को शेष भारत की 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की जो 1-5 अक्टूबर तक ईरानी कप में रणजी विजेताओं से भिड़ेगी। कोविड-19 महामारी के कारण तीन साल की अनुपस्थिति के बाद ईरानी कप वापस आ गया है। शेष भारत का नेतृत्व भारत के हिटर हनुमा विहाही करेंगे।

शेष भारत के रोस्टर में मयंक अग्रवाल और विहारी जैसे खिलाड़ियों के साथ एक दुर्जेय लाइनअप है। दलीप ट्रॉफी में वेस्ट जोन की ओर से खेलने वाले प्रियांक पांचाल भी टीम में हैं। दाएं हाथ के पांचाल को इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भी बुलाया गया था जब रोहित शर्मा चोट के कारण नहीं खेल पाए थे। तेज गेंदबाज उमरान मलिक और फॉर्म में चल रहे मुंबई हिटर सरफराज खान दोनों को टीम में शामिल किया गया था।

शेष भारत टीमः

हनुमा विहारी (कप्तान), मयंक अग्रवाल, प्रियांक पांचाल, अभिमन्यु ईश्वरन, यश ढुल, सरफराज खान, यशस्वी जायसवाल, केएस भारत, उपेंद्र यादव, जयंत यादव, सौरभ कुमार, आर साई किशोर, मुकेश कुमार, उमरान मलिक, कुलदीप सेन, अर्जन नागवासवाला।

टी20 क्रिकेट में मौजूद प्रतिस्पर्धा और एक-दूसरे की चुनौती का आनंद लें और प्यार करें मलबा

जोहान्सबर्ग, ,28 सितम्बर 2022। दक्षिण अफ्रीका की महिला बाएं हाथ की स्पिनर नोनकुलुलेको म्लाबा का मानना है कि टी 20 क्रिकेट उनमें से सर्वश्रेष्ठ लाता है क्योंकि वह प्रतियोगिता का आनंद लेती है और साथ ही खेल के सबसे छोटे प्रारूप में एक-दूसरे को चुनौती देती है।इस साल, उसने आयरलैंड, इंग्लैंड के साथ-साथ 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स अभियान में सात टी 20 आई में खेले हैं, जिसमें 16.33 की औसत से नौ विकेट लिए हैं, जिसमें डर्बीशायर में इंग्लैंड के खिलाफ 22 विकेट पर तीन की करियर की सर्वश्रेष्ठ वापसी शामिल है।

अक्षय ओबेरॉय ने पवन कृपलानी की गैसलाइट के लिए किया डब

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने हाल ही में पवन कृपलानी की आने वाली फिल्म गैसलाइट के लिए डब किया है। फिल्म में सारा अली खान और विक्रांत मैसी भी हैं। उन्हें आश्चर्य हो रहा है कि दर्शकों ने अब तक उनके द्वारा निभाए गए प्रत्येक ग्रे चरित्र को इतना पसंद किया है। अपने अनुभवों के बारे में बोलते हुए, वह दावा करते हैं, यह मुझे आश्चर्यचकित करता है कि दर्शकों ने मेरे द्वारा निभाए गए प्रत्येक ग्रे चरित्र को कितना अपनाया है।उन्होंने आगे कहा, हर भूमिका में कुछ नया होता है, इसलिए मुझे वास्तव में उनमें विविधताओं के साथ प्रयोग करना पसंद है। यह एक ऐसा चरित्र है जो मेरे लिए सबसे अलग है और जिस पर मुझे काम करने में बहुत मजा आया है। मैं वास्तव में यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि कैसे दर्शक प्रतिक्रिया देते हैं।अक्षय अगली बार रवि किशन और त्रिधा चौधरी के साथ वर्चस्व जैसी परियोजनाओं और एक कोरी प्रेम कथा नामक एक सामाजिक व्यंग्य में दिखाई देंगे।

कलारी शारीरिक-मानसिक रूप से भी सशक्त बनाता है : काजल अग्रवाल

दक्षिणी सिनेमा की जानी मानी अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने कहा कि प्राचीन मार्शल आर्ट एक सुंदर अभ्यास है जो साधक को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। काजल ने खुलासा किया है कि वह तीन साल से अधिक समय से कलारीपयट्टू सीख रही हैं।

कलारी सत्र के दौरान अपना एक वीडियो पोस्ट कर काजल ने लिखा, कलारीपयट्टू एक प्राचीन भारतीय मार्शल आर्ट है, जिसका मतलब है ड्ड युद्ध के मैदान की कला में अभ्यास। इस कला रूप का जादू शाओलिन, कुंग फू और इसके परिणामस्वरूप कराटे और ताइचांडो के जन्म में विकसित हुआ। कलारी का इस्तेमाल आमतौर पर गुरिल्ला युद्ध के लिए किया जाता था और यह एक सुंदर अभ्यास है जो साधक को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाता है।

तीन वर्षों में इसे रुक-रुक कर सीखने के लिए आभारी हूं! सीवीएन कलारी (उनका कलारी स्कूल) शानदार और इतना धैर्यवान रहा है, समय के साथ अलग-अलग डिग्री पर सीखने और प्रदर्शन करने की मेरी क्षमता के अनुसार मेरा मार्गदर्शन किया। ऐसे अद्भुत टीचर होने के लिए धन्यवाद।

दिलचस्प बात यह है कि चार महीने पहले ही एक बच्चे को जन्म देने वाली अभिनेत्री काजल, कलारी का अभ्यास करने के अलावा घुड़सवारी भी सीख रही हैं। इतना ही नहीं, वह निर्देशक शंकर की बहुप्रतीक्षित इंडियन 2 की शूटिंग के लिए वापस आ गई हैं, जिसमें कमल हासन मुख्य भूमिका में हैं।

पाओली डैम,आशुतोष राणा,सतीश कौशिक स्ट्रीमिंग सीरीज कर्म युद्ध में आएंगे नजर

बंगाली अभिनेत्री पाओली डैम, जिन्हें बुलबुल में अपने काम के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, वह आशुतोष राणा और सतीश कौशिक के साथ आगामी वेबसीरीज कर्म युद्ध में नजर आएंगी।

कोलकाता में आधारित, पारिवारिक नाटक रॉय के सत्ता के भूखे जीवन के इर्द-गिर्द घूमता है, जो दशकों से शहर के आर्थिक क्षितिज पर हावी है। रवि अधिकारी द्वारा निर्देशित, आठ एपिसोड की श्रृंखला में राजेश खट्टर, आशुतोष राणा, पाओली डैम, अंकित बिष्ट, प्रणय पचौरी, सौंदर्या शर्मा और चंदन सान्याल के कलाकारों की टुकड़ी भी शामिल होगी।

पारिवारिक झगड़े में सबसे कम उम्र की दावेदार की भूमिका निभाने वाली पाओली ने कहा, जब मुझे इंद्राणी रॉय का किरदार मिला, तो मुझे तुरंत उससे प्यार हो गया। मेरा किरदार बहुत बेहतरीन है। मैं उद्योग से कुछ बेहतरीन प्रतिभाओं के साथ काम करने के लिए भाग्यशाली महसूस करती हूं।आशुतोष ने खुलासा किया कि, शो में उनका चरित्र कई परतों के साथ आता है और शुरू में यह आभास दे सकता है कि वह नकारात्मक पात्रों में लौट आए हैं, लेकिन जैसे-जैसे दर्शक गहराई में जाएंगे, उन्हें उनकी जटिलताओं के बारे में पता चलेगा।

उन्होंने एक बयान में कहा, शुरूआत में, दर्शकों को ऐसा लग सकता है कि मैं एक डार्क भूमिका निभाने के लिए वापस आ गया हूं, लेकिन गुरु शास्त्री के चरित्र में बहुत सारे ग्रे शेड्स हैं। वह कुटिल, कायल है, और, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि, रहस्य का वह आवरण जो कर्म युद्ध के अन्य खिलाड़ियों के पास नहीं है। मुझे खुशी है कि मुझे कुछ बेहतरीन अभिनेताओं के साथ काम करने का मौका मिला।

श्रृंखला श्री अधिकारी ब्रदर्स और डिज्नी प्लस हॉटस्टार के बीच पहले सहयोग को भी चिह्नित करेगी।

श्रृंखला की घोषणा के अवसर पर टिप्पणी करते हुए, निर्देशक रवि अधिकारी ने एक बयान में कहा, हम डिज्नी प्लस हॉटस्टार के लिए कर्म युद्ध जैसी उल्लेखनीय कहानी लाने के लिए उत्साहित हैं। कर्म युद्ध जटिल पात्रों के साथ एक उच्च ओकटाइन पारिवारिक नाटक है। इसमें सब कुछ है जो शो को देखने लायक बनाता है। कर्म युद्ध डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 30 सितंबर, 2022 को रिलीज होगी।

संक्षिप्त समाचार

मेकाहारा में चूहों का आतंक, 17 छात्राओं के हांथ-पैर को काटा

रायपुर, 28 सितम्बर 2022। शहर में सरकारी कॉलेजों की हालत इतनी खस्ता हो रही है कि इसकी समस्या मरीजों से भला कौन जान सकता है। बीते कुछ समय से प्रदेश के कई सरकारी अस्पतालों से चूहों के आतंक की बात निकल कर सामने आ रही है। ताजा मामला शहर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल अंबेडकर मेडिकल कॉलेज से सामने आ रहा है जहां चूहों के आतंक की वजह से छात्राएं परेशान हो गई हैं।

जानकारी के मुताबिक, मेकाहारा मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 17 छात्राओं को चूहों ने काट लिया है। घटना के बाद छात्राओं को रातों रात पीजी हॉस्टल में शिफ्ट किया गया। छात्राएं अपनी महंगी पुस्तकों को बचाने के लिए उसे मच्छर दानी के अंदर रखती हैं। बता दें कुछ दिन पहले ही प्रदेश के एक और सरकारी अस्पताल का वीडियो सामने आया था जहां चूहे मरीजों का ग्लूकोज पी रहे थे।

ओलंपिक संघ से गुरुचरण सिंह होरा का इस्तीफा, इस वजह से छोड़ा महासचिव पद

रायपुर, 28 सितम्बर 2022। छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव गुरूचरण सिंह होरा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. मिली जानकारी के मुताबिक उनका इस्तीफा एसोसिएशन के अध्यक्ष के पास पहुंच गया है.

बताया जा रहा है, कारोबारी गुरुचरण सिंह होरा ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर महासचिव पद से इस्तीफा दिया है. हालांकि इसके पीछे कुछ और वजह भी बताई जा रही है.

वन विभाग के अधिकारियों को मिली पदोन्नति, बनाए गए वन संरक्षक

रायपुर, 28 सितम्बर 2022। वन विभाग में कार्यरत अधिकारियों को पदोन्नति दी गई है। पदोन्नति के साथ उनके वेतनमान में भी वृद्धि कर दी गई है। आदेश में साल 2007 और 2008 के 3 अधिकारियों को पदोन्नति दी गई है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक कृष्णराम बढ़ई, रमेश चंद्र दुग्गा और दिलराज प्रभाकर का नाम शामिल है।

बोरियाखुर्द में भव्य दशहरा महोत्सव की तैयारियां जोरों पर

रायपुर, 28 सितंबर 2022। रायपुर ग्रामीण बोरियां खुर्द पानी टंकी खेल मैदान में दशहरा महोत्सव समिति एवं नगर वासियों के सहयोग से आयोजित होने वाले भव्य दशहरा महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है जिसके लिए समिति के नवजवान, जुझारु सदस्य गण एवं नगरवासी तन,मन,धन से सहयोग कर रहे हैं। दशहरा महोत्सव समिति के अध्यक्ष श्री गजेन्द्र तिवारी ने बताया कि प्रथम बार आयोजित होने वाले भव्य दशहरा महोत्सव कार्यक्रम में पचास फिट का रावण,तीस-तीस फिट के कुंभकरण, मेघनाथ के पुतले तथा एक से डेढ़ घंटे तक चलने वाले रोमांचकारी आतिशबाज़ी, बच्चों के लिए पतंगबाजी, रामलीला मंचन और रात्रि कालीन छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए पारदर्शी प्रशासन और सूचना का अधिकार आवश्यक:राज्यपाल सुश्री उइके

रायपुर, 28 सितंबर 2022। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने आज राजभवन में छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग के ''महत्वपूर्ण निर्णयों'' के संकलन पर आधारित पुस्तिका ''महत्वपूर्ण निर्णय'' का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखने के लिए पारदर्शी प्रशासन और आम जनता को प्राप्त सूचना का अधिकार आवश्यक है। इसी से हमारे लोकतंत्र को मजबूती मिलती है। लोकतंत्र में जनता को प्रशासन की हर गतिविधियों को जानने का अधिकार प्राप्त है। इस अवसर पर मुख्य सूचना आयुक्त श्री एम.के राउत, पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त श्री सरजियस मिंज, राज्य सूचना आयुक्त सर्वश्री श्री अशोक कुमार अग्रवाल, श्री मनोज त्रिवेदी, श्री धनवेन्द्र जायसवाल, पूर्व राज्य सूचना आयुक्त श्री एस.के. तिवारी और सचिव छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयुक्त श्री आनंद मसीह, राज्यपाल के उप सचिव श्री दीपक कुमार अग्रवाल उपस्थित थे।

राज्यपाल सुश्री उइके ने राज्य सूचना आयोग द्वारा महत्वपूर्णय निर्णयों संबंधी संकलन के प्रकाशन की पहल की सराहना करते हुए कहा कि आमजनों के साथ जनसूचना अधिकारियों को इस संकलन का सर्वाधिक लाभ मिलेगा। प्रदेश में राज्य सूचना आयोग, सूचना का अधिकार से संबंधित सर्वोच्च संस्था होती है, ऐसे में यह किताब इस विषय में मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगा। राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में कई आदिवासी बाहुल्य जिले हैं, उन क्षेत्रों में भी विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये जाएं, ताकि वहां के जनसूचना अधिकारियों को नियमों और प्रक्रियाओं की बेहतर जानकारी प्राप्त हो सके। उन्होंने इस पुस्तक को जिला स्तर पर भी उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मुख्य सूचना आयुक्त श्री एम.के. राउत ने छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग की स्थापना से लेकर अब तक के कार्य, उपलब्धियों, प्रकरणों की संख्या एवं उनके निराकरण की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2005 से वर्ष 2022 तक 67 हजार प्रकरण पंजीबद्ध हुए हैं, जिनमें से 56 हजार प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है।

भाजपा का पलटवार

प्रदेश को क्या पश्चिम बंगाल बनाना चाहते हैं भूपेश

रायपुर , 28 सितम्बर 2022। छतीसगढ़ प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर निशाना साधते हुए कहा है कि वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राह पर चल रहे हैं और भ्रष्टाचार को संरक्षण देने के लिए राज्य में केंद्रीय एजेंसियों को धमकाने की खुली चेष्टा कर रहे हैं। आखिर किस बात का डर है उन्हें?

भाजपा अध्यक्ष साव ने कहा कि मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि व्यापारियों को डराया धमकाया है इसकी शिकायत मिल रही है, उसे सार्वजनिक करना चाहिए जिससे जनता को समझ में आए कि मुख्यमंत्री किसके लिए बेटिंग कर रहे हैं किसे बचाना चाहते है? मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा दिया बयान पूरी तरीके से संघीय ढांचे का उल्लंघन है एवं यह उल्लंघन बार-बार करने पर उन्हें अब इस्तीफा दे देना चाहिए।

पिछले दिनों जहां-जहां इस प्रकार की छापेमारी कार्रवाई हुई बड़ी मात्रा में , नोटों के ढेर, अचल संपत्ति , जेवरात बरामद किए गए। देश भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी लड़ाई लड़ रहा है भूपेश बघेल सदैव क्यों इसमें एक बाधा बनने का प्रयास करते हैं। श्री साव ने कहा कि जो गलत नहीं करता वह कभी डरता नहीं है और बार-बार धमकी चमकी वही देते हैं जिन्होंने कुछ गलत किया होता है और उन्हें अपने किए का पर्दाफाश होने का भय सता रहा हो, कांग्रेस पार्टी भी इसी भय से गुजर गई है और प्रतिदिन ईडी आएगा, आइटी आएगा तो कारवाही करेंगे ऐसी बयान बाजी कर रहे हैं श्री साव ने कहा कि चाकू बाज तो मुख्यमंत्री से डर नहीं रहे हैं और बेतहाशा चाकूबाजी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं ऐसे में ईडी और आईटी को डराने धमकाने और उन पर कार्रवाई करने की बात करने से पहले चाकू बाजों को डराले , तो प्रदेश की जनता का भला हो जाएगा।

दशगात्र कार्यक्रम से लौट रहे 25 लोग हुए सड़क हादसे का शिकार

कोरबा, 28 सितम्बर 2022। जिले में एक बाद हादसा हुआ है जहां सवारियों से भरी एक गाडी पुल के नीचे गिर गई। घटना के बाद आस पास के इलाके में हड़कंप मच गया। चीख पुकार सुनने के बाद लोग उनकी मदद करने के लिए दौड़ पड़े और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। हादसा पसान थाना क्षेत्र में हुआ है।

जानकारी के मुताबिक सभी लोग एक दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए हुए थे। करीबन 25 लोग छोटा हांथी में सवार होकर वापिस लौट रहे थे लेकिन तभी वाहन अनियंत्रित होकर पुल के नीचे गिर गया। इस हादसे में 15 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए हैं वहीं अन्य 5 गंभीर रुप से घायल हो गए हैं। डायल 112 की सहायता से सभी को पसान के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि वाहन चालक की गलती की वजह से हादसा हुआ है। इस हादसे में रामून भाई 50 वर्षीय दोसरिया पसान निवासी, भगवती बाई 52 वर्षीय पेंड्रा निवासी, शकुंत कुमार 48 वर्षीय पेंड्रा निवासी, अनंत सिंह 38 वर्षीय पेंड्रा निवासी, उर्मिला बाई 36 वर्षीय पेंड्रा निवासी, जयराम ठाकरे 30 वर्षीय पेंड्रा निवासी, तीज कुंवर 60 वर्षीय पेंड्रा, गीता बाई 45 वर्षीय, मंगली बाई 65 वर्षीय सभी घायल हैं, जिसमें से 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा के स्वरूप की हुई पूजा

रायपुर, 28 सितंबर 2022। शारदीय नवरात्र के तृतीय दिवस आज सुबह से ही भक्तों ने माता रानी के दरबार में पहुंचकर मां के नौ स्वरूपों में से तृतीय रूप मां चंद्रघंटा की विधिविधान से पूजा की। पौराणिक मान्यता के अनुसार मां चंद्रघंटा का स्वरूप मन के स्वामी चंद्रमा सी शीतल और घंटे की ध्वनि से असूरों का नाश करने वाली आदि शक्ति स्वरूप है।

जड़ी-बुटी बेचने वाला युवक किया महिला से अश्लील हरकत,आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़, 28 सितम्बर 2022। कल पुसौर थाना में महिला के साथ उसके गांव के कुछ ग्रामीण आकर बताये कि गांव में जड़ी-बुटी, दवाई बेचने आये दो लड़कों में से एक लड़के ने महिला के साथ अश्लील हरकत कर छेड़खानी किया है । घटना के संबंध में पीड़ित महिला बताई कि 27 सितम्बर को दोपहर करीब 01/30 बजे दो लडके जड़ी बूटी दवा बेचने आये थे जिन्हें अपनी बीमारी के बारे में बताई और दवा के बारे में पूछी तो एक लड़का बीमारी की दवा बताया, जिसे तेल के साथ मालिश करने पर ठीक हो जायेगा बोला और पैर की मालिश करने के दौरान गंदी नियत से छेड़खाड़ किया गया। तब चिल्लाई तो पति आये और लड़के को पकड़े। जो अपना नाम सोल्जर महतो निवासी बिहार का रहने वाला बताया फिर घर आसपास रहने वाले रिस्तेदार, गांव के लोग आ गये जिन्हें घटना बताकर रिपोर्ट दर्ज कराने आये। पीड़ित महिला के ?लिखित आवेदन पर छेड़खानी करने वाले लड़के सोल्जर महतो निवासी बिहार के विरूद्ध धारा 354 IPC का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी सोल्जर महतो पिता शंख महतो 19 साल निवासी अलीनगर, गोठान वार्ड नं0 07 जिला वैशाली (बिहार) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है । थाना प्रभारी पुसौर निरीक्षक सीताराम ध्रुव के निर्देशन पर कार्यवाही में सहायक उप निरीक्षक उमाशंकर विश्वाल, आरक्षक प्रकाश गिरी, ओशनिक विश्वाल की अहम भूमिका रही है।

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायगढ़, 28 सितम्बर 2022। छाल थाना में महिला (22 साल) द्वारा उसके साथ गुलशन कंवर नाम के युवक द्वारा दिनांक 24.09.2022 को पडोसी के घर बल पूर्वक शारीरिक संभोग संबंध बनाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोपी गुलशन को पीड़िता के थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने की जानकारी हुई तो वह गांव से फरार हो गया था जिसकी गिरफ्तारी के लिए थाना प्रभारी छाल निरीक्षक जितेन्द्र एसैया लगातार स्टाफ के साथ आरोपी के रिस्तेदार, दोस्तों के यहाँ दबिश दिया जा रहा था। जिससे आज सुबह मुखबिर के सूचना पर गांव के बाहर से हिरासत में लेकर थाना लाया गया और गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

मेन रोड में लगाए गए दुर्गा पंडाल को हटाने को लेकर जमकर बवाल

बिलासपुर, 28 सितम्बर 2022। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की है। बिलासपुर में मेन रोड में ट्रैफिक जाम कर लगाए गए दुर्गा पंडाल को हटाने को लेकर मंगलवार की रात जमकर बवाल हो गया। इस दौरान दुर्गोत्सव समिति और स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्रवाई का विरोध करते हुए नारेबाजी की और हंगामा मचाया। दो घंटे तक विरोध-प्रदर्शन और हंगामा मचाते रहे। आखिरकार, पुलिस को वहां से खाली हाथ लौटना पड़ा। हालांकि, समिति ने ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी ली है। तेलीपारा मेन रोड में नवयुवक दुर्गोत्सव समिति के पदाधिकारी, स्थानीय व्यापारियों और लोगों की ओर दुर्गा प्रतिमा स्थापित की जा रही है। इस बार शासन-प्रशासन ने दुर्गोत्सव समिति के पदाधिकारियों को मेन रोड पर पंडाल लगाकर यातायात बाधित नहीं करने की चेतावनी दी है।

इसके बाद भी नगर निगम की ओर से तय सीमा से जयादा पंडाल बनाकर सड़क को घेर दिया गया है। इसकी जानकारी होने पर पुलिस अफसर और जवान समिति के सदस्यों से रोड से पंडाल हटवाने पहुंचे थे। पुलिस अफसरों के पहुंचने के बाद वहां समिति के पदाधिकारियों के साथ ही हिंदू संगठन के लोग भी पहुंच गए और विरोध-प्रदर्शन करते हुए हंगामा मचाने लगे। लोगों का कहना था कि पिछले 20 साल से यहां दुर्गा प्रतिमा स्थापित की जा रही है, तब कभी विरोध नहीं हुआ और अब प्रशासन ट्रैफिक जाम के बहाने उन्हें हटाने पहुंचा है। उन्होंने इसे धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ करने के आरोप भी लगाए और हंगामा मचाते रहे। इसके चलते करीब दो घंटे तक तेलीपारा रोड में जाम लग गया। भीड़ देखकर वाहन चालकों को दूसरे रास्ते से आवागमन करना पड़ा।

आईपीएस मुकेश गुप्ता की पदोन्नति निरस्त करने के आदेश को हाई कोर्ट ने सही ठहराया

बिलासपुर, 28 सितम्बर 2022। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने आईपीएस मुकेश गुप्ता की पदोन्नति निरस्त करने के राज्य सरकार के फैसले को सही ठहराया है। सरकार ने कैट और सिंगल बेंच के आदेश को डबल बेंच में चुनौती दी थी। इस महीने की शुरूआत में चीफ जस्टिस की डबल बेंच ने अंतिम सुनवाई के बाद इस मामले में फैसला सुरक्षित रखा था। ज्ञात हो कि आर्थिक अनियमितताओं के आरोप में पिछले तीन साल से मुकेश गुप्ता निलंबित चल रहे हैं। पूर्व में भाजपा शासनकाल के दौरान सन् 2018 में उन्हें पदोन्नत कर अतिरिक्त महानिदेशक से महानिदेशक बना दिया गया था। इसके बाद कांग्रेस की सरकार बनने के बाद शिकायतों को आधार बनाकर उन्हें निलंबित कर दिया गया था। उनके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण भी दर्ज किए गए थे। इसके अलावा सरकार ने 26 सितंबर 2019 को उनकी पदोन्नति का आदेश निरस्त कर दिया।

पदोन्नति निरस्त करने के खिलाफ गुप्ता ने केंद्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल (कैट) में अपील की थी। कैट ने उनके पक्ष में निर्णय दिया था और पदोन्नति निरस्त करने के आदेश को रद्द कर दिया। कैट के आदेश के खिलाफ छत्तीसगढ़ सरकार ने हाईकोर्ट में अपील की थी, जिसकी सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। बेंच ने मुकेश गुप्ता के पक्ष में आदेश देते हुए कैट के आदेश को सही ठहराया। राज्य सरकार ने सिंगल बेंच के आदेश के खिलाफ डिवीजन बेंच में अपील की। डिवीजन बेंच ने सुनवाई के दौरान कैट के आदेश पर स्थगन दे दिया था। इसमें दोनों पक्षों की सुनवाई 6 सितंबर को पूरी होने के बाद डिवीजन बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज कोर्ट ने इस पर आदेश जारी किया और कैट के आदेश को निरस्त करते हुए राज्य शासन के पक्ष में फैसला दिया।

अटल बिहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस का पहला सेमेस्टर पूरी तरह से हिंदी में होगा

बिलासपुर , 28 सितम्बर 2022। मेडिकल एडमिशन का इंतजार कर रहे स्टूडेंट्स के लिए बड़ी खबर है। सरकार इसी साल से एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में शुरू करने जा रही है। बता दें कि यह ऐलान गृह मंत्री अमित शाह ने किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की बात करते हुए अमित शाह ने कहा कि इस साल 16 अक्टूबर से छत्तीसगढ़ बिलासपुर की अटल बिहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में भी कराई जाएगी। गांधीनगर में गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के नए कैंपस के शिलान्यास के दौरान शाह ने ये जानकारी दी है।

हिंदी में एमबीबीएस की पढ़ाई क्यों ?

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 'नेशनल एजुकेशन पॉलिसी यानी ह्श्वक्क ने मातृभाषा को बढ़ावा दिया है। ये समझाया है कि जब एक छात्र अपनी मातृभाषा में सोच सकता है तो वह उसी भाषा में समझ सकता है और बेहतर रिसर्च कर सकता है।' शाह ने कहा कि जब स्टूडेंट्स अपनी मातृभाषा में सोच, बोल और पढ़ सकते हैं तो वो इसमें बेहतर शोध भी कर सकते हैं। रट्टा मारकर सीखी गई चीज में वो बात नहीं आ पाती। यही कारण है कि अटल बिहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटीमें एमबीबीएस का पहला सेमेस्टर पूरी तरह से हिंदी में होगा।'

National Education Policy के लाभ गिनाते हुए शाह ने कहा कि 'एनईपी सिर्फ एक किताब नहीं, बल्कि पूरी लाइब्रेरी है। इसमें भारतीय भाषाओं, कला और संस्कृतियों को प्राथमिकता दी गई है। वहीं मोदी जी ने टेक्नोलॉजी की मदद से लोगों की जीवनशैली बेहतर बनाने की पहल की है।'

सौ फीसद भरा है सिकासार,खारंग और मनियारी बांध

- राज्य के ज्यादातर सिंचाई बांध और जलाशय लबालब
- बीते 2 सालों की तुलना में इस साल ज्यादा हुआ है जल भराव
- गंगरेल बांध में 93 प्रतिशत से ज्यादा पानी

रायपुर, 28 सितम्बर 2022। इस साल बेहतर मानसून की वजह से राज्य के सिंचाई बांधों और जलाशयों में जलभराव की स्थिति बीते दो सालों की तुलना में बेहतर है। राज्य की 12 वृहद सिंचाई परियोजनाओं में आज की स्थिति में 4756.670 एमसीएम जलभराव है, जो कि इनकी कुल जलभराव क्षमता का 88.81 प्रतिशत है। इसी तरह राज्य की कुल 34 मध्यम परियोजनाओं में 936.710 मिलियन एमसीएम जलभराव है, जो कि इनकी कुल जलभराव क्षमता का 93.25 प्रतिशत है। वर्ष 2020 में वृहद एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं में इसी अवधि में जलभराव की स्थिति क्रमशः 86.67 एवं 86.20 प्रतिशत थी, जबकि वर्ष 2021 में वृहद एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं में 86.44 तथा 80.79 प्रतिशत जलभराव था।

राज्य की 12 वृहद सिंचाई परियोजनाओं में शामिल सिकासार, खारंग और मनियारी जलाशय आज की स्थिति में लबालब हैं। मिनीमाता बांगो में 84.5 प्रतिशत तथा रविशंकर गंगरेल बांध में 93.35 प्रतिशत जलभराव है। बीते दो सालों से जलभराव की कमी से जूझ रहे बालोद जिला स्थित तांदुला जलाशय में इस साल स्थिति काफी बेहतर है, तांदुला जलाशय में वर्तमान में 93.64 प्रतिशत जलभराव है। कांकेर स्थित दुधावा और धमतरी जिले का मॉडल सिल्ली बांध भी लबालब होने की स्थिति में है। इन दोनों बांधों में आज की स्थिति में 99 प्रतिशत जलभराव है। सोंढूर डेम में 91.70 प्रतिशत, कोडार बांध में 66.48 प्रतिशत, केलो बैराज में 94.11 प्रतिशत पानी है। बड़े सिंचाई परियोजनाओं में से एकमात्र अरपा भैंसाझार बैराज में आज की स्थिति में 50 प्रतिशत से कम जलभराव है।

राज्य की मध्यम सिंचाई परियोजनाओं में बालोद जिला स्थित खरखरा डेम, बस्तर जिले के कोसार टेडा बांध, कांकेर जिले के परालकोट एवं मायना डेम, कबीरधाम जिले के छीरपानी, सरोदा एवं बहेराखार, राजनांदगांव जिले के पिपरिया नाला,रूसे डेम एवं मोंगरा बैराज, रायगढ़ जिले के खमारपकुट, सरगुजा जिले के बरनाल डेम और बिलासपुर जिले के घोंघा, कोरिया जिले के झुमका में 100 प्रतिशत जलभराव है। रायपुर जिला स्थित कुम्हारी जलाशय और सरगुजा के बांकी सिंचाई जलाशय को छोड़कर शेष मध्यम सिंचाई परियोजनाओं में जलभराव की स्थिति 70-99 प्रतिशत तक है। कुम्हारी जलाशय में आज की स्थिति में 32.78 तथा सरगुजा के बांकी बांध में 32.28 प्रतिशत पानी है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)